हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

6 मार्च, 1985

खण्ड 1 अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 4 मार्च, 1985

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(1)1
बैठक का स्थगन	(1)25
राज्यपाल का अभिभाशण (सदन की मेज पर	(1)26

रखी गई प्रति)	
अध्यक्ष द्वारा घोशणा–	
1. सदस्यों द्वारा त्यागपत्र	(1)43
2. पैनल आफ चेयरमैन	(1)43
3. कमेटी आन पैटी ांज	(1)44
सचिव द्वारा घोशणा–	
1. कांस्टीटयू ान (53वां अमैंडमैंट) बिल, 1984 की रैटीफिके ान संबंधी	(1)44
2. राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी	(1)44
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट	(1)45
सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गये कागज–पत्र	(1)49
ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामलो संबंधी प्रिविलेजिज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने के लिए समय बढाना।	(1)50

1. 24–5–1982 को राजभवन में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल प्रयोग करने के लिए चौधरी देवी लाल, एमएलए के विरूद्ध	(1)50
बैठक का समय बढाना	(1)54
ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामलो संबंधी प्रिविलेजिज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने के लिए समय बढाना (पुनरारम्भ)	(1)55
2. 24–5–1982 को सदन में राज्यपाल के अभिभाशण के अवसर पर उनके कथित अवचार संबंधी चौधरी देवी लाल, एमएलए के विरूद्ध।	(1)55
3. चौधरी हरद्वारी लाल उप–कुलपति, महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक के विरूद्ध।	(1)55

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 6 मार्च, 1985

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ में 11–00 बजे हुई। अध्यक्ष (सरतार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहिबान अब भाोक प्रस्ताव होंगे।

श्रीमति चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। जनाब स्पीकर साहब, भाोक प्रस्ताव की लिस्ट में राजा मान सिंह, श्री सुरेन्द्र सिंह दलाल और लोक सभा के भूतपूर्व महासचिव श्री एमएन कौल के नाम भाामिल नहीं किये गये है। मैं मुख्यमंत्री जी ने से रिक्वेस्ट करूंगी कि इनके नाम भी इसमें भाामिल किए जाएं।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, पंजाब हरियाणा और हिमाचल प्रदे ा इक्टठे रहे हैं। अलग होने के बाद इन स्टेटों में जब किसी एमएलए का निधन होता है तो उनके नाम भाोक प्रस्ताव में भाामिल करने की हमारी प्रथा रही है। किसी दूसरे प्रदे ा में अगर किसी एमएलए की डैथ हो जाती है तो उस का नाम भाामिल नहीं किया जाता क्योंकि ऐसी प्रथा नहीं है।

श्रीमति चन्द्रावतीः अगर नहीं है तो अब डाल दो।

चौधरी भजन लालः कैसे डाल लें। अगर बंगाल, कर्नाटक, तामिल नाडू की स्टेटस में किसी एमएलए का निधन हो जाये तो उसका नाम भी हमें भाामिल करना पडेगा। ऐसी प्रथा नहीं है इसलिए इनका नाम भाामिल नहीं किया गया।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, जो विशय इस वक्त सदन में विचाराधीन है इस पर मैं थोडा सा कहना चाहता हूं कि मेरी बहन आदरणीय श्रीमति चन्द्रावती जी ने ठीक सुझाव दिया है और इसको मान लिया जाए। एक एएसपी की गोली से श्री सुरेन्द्र सिंह दलाल, जो सात बहनों का अकेला भाई और अपने मां बाप का इकलौता बेटा था मारा गया है कोई कारण नहीं है कि इनको नाम इस लिस्ट में भाामिल न किया जाए। इस तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए। यह प्रथा की बात नहीं है। मुख्यमंत्री महोदय प्रथा की बात कह रहे हैं ऐसी प्रथा तो कभी भी डाली जा सकती है।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह सदन भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी की 31 अक्तूबर 1984 को हुई दुखद एवं निर्मम हत्या पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्रीमति इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवम्बर, 1917 को इलाहाबाद में हुआ। वह पण्डित जवाहर लाल नेहरू तथा श्रीमति कमला नेहरू की इकलौती पुत्री थी। उन्होंने इलाहाबाद,

स्विटजरलैंड, पूना, बम्बई, भाान्तिनिकेतन तथा समरविले कालेज, आक्सफोर्ड से ि ाक्षा प्राप्त की। स्वाधीनता के लिए संघर्शरत कांग्रेस पार्टी की सहायता के लिए 13 वर्श की आयु में उन्होंने बच्चों की बानर सेना तैयार की। 1931 में वह कांग्रेस पार्टी की नियमित सदस्य बनी। उन्होंने भातर छोडो आंदोलन में सकिय भाग लिया तथा अपने पति श्री फिरोजगांधी के साथ गिरफतारी दी। 1955 में वह कांग्रेस कार्यकारी समिति की सदस्य 1956 में अखिल भारतीय युवा कांग्रेस की अध्यक्ष तथा 1959 में इंडियन ने ानल कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गई।

वह 1964 में राज्यसभा के लिए चुनी गई तथा 1964 से 1966 तक सूचना एवं प्रसारण मंत्री रही। वह 1966 में कांग्रेस संसदीय पार्टी की नेता चुनी गई। वह जनवरी 1966 से मार्च 1977 तक तथा पुनः जनवरी 1980 से 1984 तक भारत की प्रधानमंत्री रही।

उन्हें दे ावासियों से जो अपार सम्मान एवं श्रद्धा प्राप्त हुई, उसी के फलस्वरूप राश्ट्र ने उन्हैं 1972 में भारत रत्न की सर्वोच्च उपाधी से विभूशित किया।

उन्होंने राश्ट्र को तेजी से विकसित हो रहे दे ाों की पंक्ति में ला खडा करने के लिए दे ा को आधुनिकता , सामाजिक न्याय, आर्थिक सुधार, वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति में जीवन नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने अपनी आधुनिक, आत्मनिर्भर तथा

प्रगति ील अर्थव्यवस्था क परिकल्पना को दे ा में कृशि, उद्योग तथा विज्ञान के क्षेत्र मे हुई अभूतपूर्व प्रगति के रूप में साकार किया।

उन्होंने दलितों के उत्थान के लिए अथक प्रयास किये। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित कबीलों, पिछडे एवं कमजोर वर्गो के लोगों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए उन्होंने ठोस व स्थायी कार्यकम तैयार किये। उनकी समतावादी एवं न्याय ील समाज व्यवस्था के प्रति वचनबद्धता उन ऐतिहासिक कार्यो की परिपाटी में परिलक्षित होती है जिनका श्रीगणे ा बैंकों के राश्ट्रीकरण और प्रीवी पर्स के उन्मूलन से हुआ। इस प्रकिया की परिणति 20 सूत्री कार्यकम के तैयार करने और उसे तेजी से लागू करने के रूप में हुई, जिसमें समाज के कमजोर वर्गो की आर्थिक द ाा सुधारने की ओर वि ोश ध्यान दिया गया है। वह गरीबों की मसीहा थी। श्रीमति इंदिरा गांधी सभी धर्मो में गहरी आस्था रखती थी। वह साम्प्रदायिकता के विरूद्ध अपने अन्तिम सांस तक लडती रही।

श्रीमति इंदिरा गांधी ने विज्ञान, टैक्नोलाजी, साहसिक अभियानों तथा खेलों में वि ोश अभिरूचि ली। इन्हीं के नेतृत्व में भारत ने 1974 में पहला भाान्तिपूर्ण परमाणु विस्फोट सफलतापूर्वक सम्पन्न किया।

भारत ने 1975 में पहला आर्यभटट उपग्रह छोडा तथा दक्षिणी ध्रुव में सफल साहसिक खोज अभियानों की भाुरूआत हुई। अप्रैल 1984 में पहला भारतीय यात्री अन्तरिक्ष में गया। उनकी ही प्ररेणा तथा प्रोत्साहन से नई दिल्ली में 1982 में नौवें एि ायाई खेलों का आयोजन किया गया। 1983 में उन्हें अन्तर्राश्ट्रीय ओलम्पिक समिति ने गोल्ड आर्डर प्रदान किया। इस दे ा की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति उनकी वचनबद्धता एवं आस्था असीम थी। वह 1965 से 1974 तक संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष रही। उन्होंने अपने दे ा में पर्यावरण संबंधी कार्यों को बढावा दिया। एक श्रेश्ठ बुद्धि जीवों के रूप में उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें दे ा–विदे ा के अनेक वि वविद्यालयों तथा वैज्ञानिक अकादमियों की और से डाक्टरेट की उपाधियों तथा विभिन्न सम्मानों से विभूशित किया गया। परिवार नियोजन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए उन्हें 1983 में संयुक्त राश्ट्र जनसंख्या पुरस्कार दिया गया।

उनका अदम्य साहस और असाधारण राजनीतिक कौ ाल वि ोश रूप से स्मणीय है जो उन्होंने 1971 में बंगला दे ा के संघर्श एवं संकट से निपटने में दिखाया।

श्रीमति इंदिरा गांधी वि व भाान्ति तथा सहयोग को मजबूत करने वाले संसार के अग्रणी नेताओं में थी। अपने महान पिता के समान वह सभी प्रकार के भाोशण के विरूद्ध थीं और राजनीतिक एवं सैनिक गठबन्धनों को वि व भाान्ति के मार्ग में

बाधक समझती थी। वह गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की अग्रणी नेता थीं। वह मार्च 1983 में नई दिल्ली में हुए सातवें गुट निरपेक्ष सम्मेलन की अध्यक्ष चुनी गई थी।

उन्हें अन्तर्राश्ट्रीय सदभावना के लिए 1984 का जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार मरणोपरान्त प्रदान किया गया।

दे ा की एकता और अखण्डता की रक्षा करना उनके लिए सब से पावन कार्य था। उन्होंने उन आद ार्ों एवं मूल्यों की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। जोकि हमारे गणतन्त्र की एकता और अखण्डता की बुनियाद है।

उनकी दुखद हत्या से दे ा 20 वीं भाताब्दी के एक महानतम नेता से वंचित हो गया है जिसने भारत को प्रतिश्ठा एवं उपलब्धियों की असीम उंचाईयों तक पहुंचाया।

वह एक महान दे ा–भक्त उच्च कोटि की राजनीतिज्ञ एक महान युगदृश्टा तथा संसार की ऐसी नेता थी जिनका अदम्य साहस बेजोड था।

सदन दिवंगत के भाोक पीडित परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। मैं प्रार्थना करता हूं कि परमात्मा उनको इस आधात का सहन करने की भाक्ति प्रदान करें।

यह सदन भूतपूर्व उप–प्रधानमंत्री श्री वाई0बी0 चव्हाण के 25 नवम्बर 1984 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री वाई0बी0 चव्हाण का जन्म 12 मार्च 1913 को महाराश्ट्र के जिला सांगली में देवराश्ट्र गांव में हुआ। बी.ए. के प चात उन्होंने विधि में डिग्री प्राप्त की। अलीगढ, मराठवाडा तथा ि ावाजी वि ववविद्यालयों ने उन्हें डाक्टरेट की मानद उपाधियां प्रदान की। वह इंडियन नै ानल कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता थे। उन्होंने 1930 में नागरिक अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया तथा उनहें 1930 से 1934 तथा 1942 से 1945 तक जेल यातनाएं सहनी पडी। वह 1946 से 1962 तक बम्बई तथा बाद में महाराश्ट्र विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1946 से 1952 तक बम्बई राज्य में गृह मंत्री के संसदीय सचिव तथा 1952 से 1956 तक नागरिक आपूर्ति मंत्री तथा बाद में स्थानीय भाासन वन तथा समुदायिक परियोजना मंत्री रहे। वह 1956 में बम्बई तथा 1960–62 में महाराश्ट्र के मुख्यमंत्री रहे।

श्री चव्हाण आठवें वित आयोग के अध्यक्ष थे। उन्होंने कई दे ाों की यात्रा की तथा विभिन्न अन्तर्राश्ट्रीय बैठकों व सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वह कई स्वैच्छिक संगठनों से सम्बद्ध थे तथा कई पुस्तकों के लेखक भी थे।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री धर्मबीर के 22 दिसम्बर 1984 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

श्री धर्मवीर का जन्म 30 नवम्बर 1936 को इलाहाबाद में हुआ। वह एमए, एलएलबी थे।

वह एक ऐसे सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता थे जिन्होंने दलितों के उत्थान के लिए आर्य समाज के सहयोग से कार्य किया।

उन्होंने कांग्रेस दल में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और उतरप्रदे ा कांग्रेस(इ) के अध्यक्ष पद पर भी रहे। वह 1969 से 1974 तक उतरप्रदे ा विधानसभा के सदस्य रहे। वह परिवहन, सार्वजनिक पूर्ति तथा गृह कार्यों के राज्य मंत्री रहे।

जुलाई 1980 में वह राज्य सभा के लिए चुने गये। तत्प चात वह मृत्युपर्यन्त श्रम एवं पुनर्वास के केंद्रीय राज्य मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद तथा सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अ ाोक मेहता के 11 दिसम्बर 1984 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री अ ाोक मेहरा का जन्म 24 अक्तूबर 1911 को गुजरात के भावनगर में हुआ। उनकी ि ाक्षा विल्सन कालिज तथा यूनिवर्सिटी स्कूल आफ इकनामिक्स बम्बई में हुई। स्वतन्त्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण उनकी ि ाक्षा में बाधा पडी तथा उन्होंने भारत छोडो आंदोलन में तीन वर्श जेल यातना सही। वह कांग्रेस सो ालिस्ट पार्टी के संस्थापक सदस्य थे तथा 1934 से 1948 तक इसकी राश्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य रहे। 1949 में उन्होंने हिन्द मजदूर सभा की स्थापना की तथा इसके प्रथम महासचिव रहे। वह 1948 से 1952 तक सो ालिस्ट पार्टी के तथा 1952 से 1963 तक प्रजा सो ालिस्ट पार्टी के सदस्य रहे। उन्होंने 1950 से 1953 तक इसके महासचिव तथा 1959 से 1963 तक इसके चेयरमैन के रूप में कार्य किया। वह 1973 से 1977 तक इंडियन नै ानल कांग्रेस (ओ0) के प्रेजीडैंट रहे।

वह 1954 में बिहार से उपचुनाव के द्वारा लोक सभा में आए तथा 1970 तक इसके सदस्य रहे। 1957 में वह फूड इन्कवायरी कमेटी के चेयरमैन नियुक्त हुए। वह 1963 से 1967 तक योजना आयोग के उपाध्यक्ष रहे। उन्होंने 1963 में संयुक्त राश्ट्र संध की सामान्य सभा में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने रूस व अमरिका को जाने वाले योजना आयोग, प्रतिनिधिमंडलों को नेतृत्व भी किया। वह 1966 में योजना मंत्री तथा 1967 में योजना, पैट्रोलियम, रसायन और समाज कल्याण मंत्री नियुक्त हुए। 1968 में उन्होंने त्याग–पत्र दे दिया।

प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा अर्थ ाास्त्री श्री अ ाोक मेहता को कई वि वविद्यालियों ने सम्मानित किया।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी, सम्मानित अर्थ ाास्त्री तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत की आत्मा की भाान्ति के लिए प्रार्थना करता है।

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री भोला पासवान भाास्त्री के 10 दिसम्बर 1984 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट किया है।

श्री भोला पासवान भाास्त्री का जन्म वर्श 1914 में बिहार के पूर्निया जिला के बैरगाछी गांव में हुआ। वह अभी स्कूल के छात्र ही थे कि असहयोग आंदोलन में भाामिल हो गये। वह 1930

तथा 1932 में जेल गये। 1942 में भारत छोडो आंदोलन में भाग लेने के कारण उन्हें जेल की सजा हुई।

का ी विद्यापीठ के स्नातक श्री भोला पासवान भाास्त्री, पूर्निया से प्रकाि ात होने वाले हिन्दी साप्ताहिक राश्ट्रसन्दे ा के मुख्य सम्पादक रहे तथा उन्होंने पटना की राश्ट्रवाणी तथा कलकता की लोकमान्य पत्रिकाओं के सम्पादकीय अमले में भी कार्य किया।

वह 1946 में बिहार विधान सभा के लिये निर्विरोध चुने गये तथा 1952 में स्थानीय भाासन मंत्री के संसदीयय सचिव भी रहे। 1952 से 1963 तक वह मंत्री पद पर रहे और 1968–69 तथा फिर 1971–72 में बिहार के मुख्यमंत्री रहे।

1972 में वह राज्य सभा के सदस्य चुने गये तथा 1973–74 में केंद्र में निर्माण तथा आवास मंत्री रहे। वह दलितों तथा हरिजनों के उद्धारक थे। उन्होंनै 1978 में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित कबीलों के लिए बनाए गए आयोग की अध्यक्षता की।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन भूतपूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री श्री आर0बी0 स्वामीनाथन के 4 अक्तूबर 1984 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री आर0बी0 स्वामीनाथन का जन्म 5 अगस्त 1910 को तामिलनाडू में जिला रामानाथापुरम के पगनेरी गांव में हुआ। उन्होंने कई वर्शो तक तालुक जिला कांग्रेस समिति के प्रेजीडेंट व सचिव के रूप में कार्य किया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया तथा कई बार जेल गये। वह 1946 से 1957 तक तथा पुन 1962 से 1967 तक मद्रास विधान सभा के सदस्य रहे। वह तमिलनाडू प्रदे ा कांग्रेस समिति के 1967 से 1969 तक वाईस–प्रेजीडेंट तथा 1969 से 1971 तक प्रैजीडेंट रहे।

श्री आर0बी0 स्वामीनाथन 1971 से 1979 तक पांचवी और छटी लोकसभा के सदस्य रहे। 1980 में वह पुनः तमिलनाडू के सिवागंगा निर्वाचत क्षेत्र में लोकसभा में आए तथा जनवरी 1983 तक केंद्रीय कृशि राज्य मंत्री रहे। वह 1965 में न्यूजीलैंड तथा 1966 में केनेडा में हुए कामनवैल्थ संसदीय सम्मलेनों के सदस्य थे। 1950 में स्वीडन तथा 1975 में अमेरिका में हुए अन्तर्राश्ट्रीय कृशि सम्मेलन में भाग लेने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे। उन्होंने अनेक दे ाों की यात्रा की।

उनके निधन से दे ा एक स्वतंत्रता सेनानी तथा एक अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवगंत के

भाोक–संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन भूतपूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री डा0 वीए सईद मुहम्मद के 28 फरवरी 1985 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

डा0 वीए सईद मुहम्मद का जन्म 29 मई 1923 को केरल में हुआ। वह एमए एलएलबी पीएचडी थे तथा उन्हौंने लंदन से बैरिस्टर की डिग्री प्राप्त की। 1942 में भारत छोडो आन्दोलन में भाग लेने के कारण उन्हें जेल की सजा हुई। उन्हें 1976 में राश्ट्रपति द्वारा ताम्रपत्र प्रदान किया गया। वह सुप्रीम कोर्ट के एक प्रमुख वकील थे तथा 1965–67 में केरल में एडवोकेट जनरल थे। वह अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यकारिणी समिति तथा कांग्रेस संसदीय पार्टी की महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य रहे। वह राश्ट्रीय तथा अन्तर्राश्ट्रीय स्तर की विभिन्न कानून समितियों के सदस्य भी रहे।

डा0 सईद मुहम्मद 1973–77 में राज्य सभा के सदस्य तथा 1975–77 में कानून, न्याय तथा कम्पनी कार्यों के केंद्रीय राज्य मंत्री थे। वह 1977–79 में लोक सभा के सदस्य थे। वह 1980 से जून 1984 तक इंगलैंड में भारत के हाई कमि नर रहे।

वह इंडियन सोसायटी आफ इंटरनै ानल ला, 1965 तथा इंटरने ानल ला सोसायटी (भारतीय भााखा) 1968 की

कार्यकारिणी समितियों के सदस्य थे। वह 1971 में संयुक्त राश्ट्र संघ में भाग लेने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल के वरिश्ठ विधि सलाहकार थे तथा 1975 में संयुक्त राश्ट्र संघ में भारत की ओर से आल्टरनेट डैलीगेट थे।

उन्होंने कई दे ाों की यात्रा की। वह कानून पर लिखी गई कई महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखक तथा सम्पादक थे।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी, अनुभवी सांसद तथा सुप्रसिद्ध विधिवेत्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिंवगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन भूतपूर्व केंद्रीय उप–मंत्री श्री रतन लाल कि ाोरी लाल मालवीय के 8 दिसम्बर 1984 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

श्री रतन लाल कि ाोरी लाल मालवीय का जन्म 8 नवम्बर 1907 को मध्य प्रदे ा में सौगर के स्थान पर हुआ। जब वह बनारस हिन्दू वि वविद्यालय के विद्यार्थी थे तभी से उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सकिय रूप से भाग लेना भाुरू कर दिया।

कानून की डिग्री प्राप्त करके उन्होंने जबलपुर हाई कोर्ट में वकालत आरम्भ कर दी। गरीबों एवं भाोशितों की दयनीय हालत ने उनका ध्यान आकर्शित किया और वह मजदूर संघ

आंदोलन में सक्रिय को गए। वह आई एनटीयूसी तथा अन्य कई मजदूर कल्याण संगठनों से सम्बद्ध थे।

श्री मालवीय 1948 से 1950 तक संविधान सभा के तथा 1950 से 1952 तक अस्थाई संसद के सदस्य रहे। वह 1954 से 1966 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। 1962–1966 तक केंद्रीय श्रम तथा रोजगार उपमंत्री रहें

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, एक श्रमिक संघ नेता तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री चौधरी माडू सिंह मलिक के 7 अक्तूबर 1984 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

चौधरी माडू सिंह मलिक का जन्म 26 मई 1906 को जिला रोहतक के गांव कहरावर में हुआ। उन्होंने बीए करने के प चात कानून की डिग्री की ि ाक्षा ग्रहण की। वह 1934 से 1946 तक जिला जमींदारा लीग के सचिव रहे। वह कई ि ाक्षा संस्थाओं के अध्यक्ष रहे। पक्के आर्य समाजी चौधरी माडू सिंह मलिक, 1954 से 1957 तक हरियाणा आर्य प्रतिनिधि सभा के उपप्रधान तथा 1952 से 1957 तक आर्य समाज के प्रधान रहे। 1968–70 के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण वैधानिक समितियों के

चेयरमैन के रूप में तथा 1946 से 1972 तक विभिन्न सहकारी समितियों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।

वह 1952 से 1957 तक पंजाब विधान सभा तथा 1968–77 तक हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे। वह अप्रैल 1970 से मार्च 1972 तक तथा पुन अक्तूबर 1972 से जून 1977 तक हरियाणा के ि ाक्षा मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा ऐ समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता, ि ाक्षा प्रवर्तक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्रयोनाथ योगी के 7 जनवरी 1985 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

महन्त श्रयोनाथ का जन्म 23 जनवरी, 1904 को दिल्ली के निकट नरेला में हुआ। उन्होंने जयपूर तथा पंजाब वि ववविद्यालयों से ि ाक्षा ग्रहण की। वह महन्त पूर्णनाथ योगी के ि ाश्य थे। वह एक अति प्रतिश्ठित धार्मिक नेता थे और इस क्षेत्र के मुख्य मठों में से एक के प्रमुख थे। वह हिन्दी संस्कृत तथा गुजराती भाशाओं के विद्वान थे। उन्होंने सामाजिक तथा धार्मिक गतिविधियों में सकिय भाग लिया। वह 1967 के चुनावों में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए तथा 1967 में स्वास्थ्य,

समाज कल्याण तथा वक्फ के मंत्री रहे। वर्श 1972 में वह पुनः विधान सभा के लिए चुने गए।

उनके निधन से दे ा एक प्रसिद्ध धार्मिक नेता, विद्वान तथा अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत की आत्मा की भाान्ति के लिए प्रार्थना करता है।

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व उपमंत्री राव निहाल सिंह के 19 फरवरी 1985 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

राव निहाल सिंह का जन्म 1924 में हुआ। वह बीए एलएलबी थे।

राव निहाल सिंह ने ब्लाक समिति खोल के सदस्य के रूप में काम किया। वह खोसी स्कूल की प्रबन्ध समिति के प्रेजीडेंट तथा अहीर ि ाक्षा बोर्ड के सदस्य भी रहे। वह 1962 में पंजाब विधान सभा के लिये चुने गये। वह 1966–67 में हरियाणा में विकास उपमंत्री रहे। वह अपने इलाके के अनेक भौक्षणिक एवं सामाजिक संगठनों से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी सांसद तथा ि ाक्षाविद की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवगंत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक टिक्का रतन अनमोल सिंह के 12 सितम्बर 1984 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

टिक्का रतन अनमोल सिंह तत्कालीन नेता व योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

उनके निधन से हरियाणा एक सम्मानित नेता व योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक श्री हरभगवान मोदगिल के 13 सितम्बर 1984 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री हरभगवान मोदगिल का जन्म 1 दिसम्बर 1908 को हुआ। उन्होंने जिला लुधियाना के किला रायपुर तथा लाहौर से ि ाक्षा प्राप्त की।

उन्होंने जिला कांग्रेस समिति में कई पदों पर कार्य किया और 1954–58 में वह पंजाब प्रदे ा कांग्रेस समिति के कार्यकारी सदस्य रहे।

वह 1957 से 1962 तक पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे।

उन्होंने विस्थापित लोगों के पुर्नवास कार्य में लगे कई संगठनों में कार्य किया तथा पिछडे क्षेत्रों के विकास में रूचि ली।

उनके निधन से दे ा एक सामाजिक कार्यकर्ता तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक सरदार प्रीतम सिंह सहौके के 30 दिसम्बर 1984 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

सरदार प्रीतम सिंह सहोके का जन्म 15 दिसम्बर 1925 को हुआ। वह तत्कालीन पैप्सू राज्य की खालसा बरादरी के अध्यक्ष रहे तथा ि ारोमणि गुरूद्वारा प्रबन्धक समिति के सदस्य थे।

वह 1952–67 के दौरान पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

यह सदन श्री भवानी प्रसाद मिश्र सुप्रसिद्ध हिन्दी कवि एंव मनीशी के 20 फरवरी 1985 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री भवानी प्रसाद मिश्र का जन्म 2 मार्च 1913 को मध्य प्रदे ा में हुआ। उन्होंने स्नातक तक ि ाक्षा प्राप्त की। उन्हें 1942–45 में भारत छोडों आंदोलन के दौरान जेल की सजा हुई। 1946–50 तक उन्होंने वर्धा के महिला आश्रम में अध्यापन कार्य किया तथा 1956 से 1958 तक आका ावाणी के प्रोडयूसर के रूप में कार्य करते रहे। वह 1958 से 1972 तक सम्पूर्ण गांधी वाडमय के उपमुख्य संपादक रहे। वह अनेक पुस्तकों के रचयिता तथा अनेक पत्रिकाओं के सम्पादक थे। गीत फरो ा उनकी वि ि ाश्ट काव्य रचनाओं में से एक है। उन्हें विभिन्न राश्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से दे ा एक गांधीवादी, क्रान्तिकारी विचारक तथा सुप्रसिद्ध हिन्दी कवि एवं साहित्यकार से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन सर्वश्री समीउदीन अन्सारी तथा केटी कोसल राम, लोकसभा सदस्य प्यारे लाल कुरील तालिब और कल्याण राय, राज्य सभा सदस्य तथा श्रीमति राम कौर, भूतपूर्व विधायक पंजाब

के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है तथा उनके भाोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन दिसम्बर 1984 में भोपाल की गैस दुर्घटना में हुई भारी जीवन हानि की हृदय विदारक घटना पर गहरा भाोक प्रकट करता है। यह सदन मध्यप्रदे ा सरकार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्रीमति चन्द्रावती (बाढडा): स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है मैं इसके समर्थन में तथा अनुमोदन के लिए खडी हुई हूं। मैं अपनी तरफ से श्रीमति इंदिरा गांधी, भूतपूर्व प्रधानमंत्री, श्री वाईबी चव्हाण, भूतपूर्व उप–प्रधानमंत्री श्री धर्मबीर, भूतपूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री श्री अ ाोक मेहता, भूतपूर्व केंद्रीय मंत्री श्री भोला पासवान भाास्त्री, भूतपूर्व केंद्रीय मंत्री श्री आरपी स्वामीनाथन, भूतपूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री डा0 बीए सईद मुहम्मद, भूतपूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री श्री रतन लाल कि ाोरी लाल मालवीय, भूतपूर्व केंद्रीय उप मंत्री चौधरी माडू सिंह मलिक, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री महंत श्रयोनाथ योगी, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री राव निहाल सिंह, हरियाणा कें भूतपूर्व उपमंत्री टिक्का रतन अनमोल सिंह, संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक श्री हरभगवान मोदगिल, संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक, सरदार प्रीतम सिंह सहोके, संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक श्री भवानी प्रसाद मिश्र हिन्दी कवि, सर्वश्री समीउदीन अन्सारी तथा केटी कोसल राम लोक सभा सदस्य प्यारे लाल कुरील तालिब और

कल्याण राय, राज्य सभा सदस्य तथा श्रीमति राम कौर कैंरों भूतपूर्व विधायक, पंजाब, राजा मान सिंह, श्री सुरेन्द्र सिह दलाल, एमएन कौल तथा दूसरे भाई जो भोपाल की गैस दुर्घटना में मरे हैं सभी को श्रद्धाजंलि अर्पित करती हूं और उनके परिवारों को दुख का संदे ा भेजती हूं।

स्पीकर साहब, श्रीमति इंदिरा गांधी के निधन से हम सब को बहुत दुख हुआ। मैं अपनी भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित करती हूं। उनके साथ मेरा भी बडा निकट का सम्बन्ध था। स्पीकर साहब, श्रीमति इंदिरा गांधी को वर्दीधारी पुलिस वालों ने मारा। राजा मान सिंह को भी वर्दीधारी पुलिस वालों ने ही मारा। भाई सुरेन्द्र सिंह दलाल को वर्दीधारी पुलिस के अफसर ने मारा। स्पीकर साहब, मैं यही कहना चाहती हूं कि आज दे ा किधर जा रहा है। हमें श्रीमति इंदिरा गांधी के मारे जाने से बडा भारी दुख हुआ है लेकिन कांग्रेस के लोगों ने उनकी चिता पर रोटियां सेकी। लोक सभा चुनाव जनवरी में होने थे लेकिन इनहोंने पहले ही करा दिये। ... भाोर.....

श्री अध्यक्षः सदन में भाोक प्रस्ताव पे ा हुआ है। आप उसी पर बोलें और पौलिटिक्स की बात न करें ..... भाोर एवं विघ्न.....

श्रीमति चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैं ठीक कह रही हूं। 15 दिन पहले कैसे चुनाव करवा दिये? ..... भाोर एवं विघ्न.....

मैं ठीक कह रही हूं। मैं इंदिरा गांधी के बारे में कोई उप ाब्द नहीं कह रही हूं। मैं अपनी श्रद्धाजंलि अर्पित कर रही हूं। इन लोगों ने उनकी चिता मे रोटियां सेकी है। ..... भाोर एवं विघ्न..... **12.00 बजे** मैं अपनी श्रद्धाजंलि रामा मान सिंह जी को भी पे ा करती हूं जो 1952 से अब तक विधायक चले आ रहे थे। जब तक कि मुख्यमंत्री ि ाव चरण माथूर और भटटी डीएसपी ने उनका डींग में कत्ल नहीं कर दिया। स्पीकर साहब, उनके पूर्वजों ने मथुरा और गौवर्धन के आस पास के जो मन्दिर महमूद गजनवी ने तुडवायें थे उनको फिर से बनवाया था। वे एक बडी ही धार्मिक प्रवृति के लोग थे। किसी भी सभ्य संसार में किसी भी प्रजातांत्रिक दे ा में इस तरह से कत्ल नहीं होते है जिस ढंग से राजा मान सिंह और उनके साथियों का कत्ल हुआ है। ... . व्यवधान व भाोर .....

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, उसके बारे में बाकायदा कमी ान बैठा हुआ है। कमी ान इन्क्वायरी कर रहा है। बहिन जी को ऐसी बात हाउस में नहीं कहनी चाहिये क्योंकि वे खुद भी वकील है। जब एक बात की इन्कवायरी कमी ान कर रहा है तो ऐसा कहना उचित नहीं लगता। ..... व्यवधान व भाोर.....

श्रीमति चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, हजारों लोगों के सामने राजा साहब का कत्ल हुआ है हमारा कमी ान में कोई यकीन नहीं है। डीएसपी उनकी ला ा को लपेटने के लिये पहले ही अपने साथ कम्बल ले गया था। राजा साहब की ला ा को वह

कम्बल में लपेट कर ले गया। ..... व्यवधान व भाोर..... जिस पारिवारिक झंडे की इजाजत भारत सरकार ने दे रखी थी उस पारिवारिक झंडे को कांग्रेस के अनुसो ाल एलीमैंटस ने फाडा। उसके बाद राजा साहब का और उनके दो साथियों एक समुेर सिंह और एक दूसरे का कत्ल कर दिया गया। स्पीकर साहब, सभ्य संसार में इस तरह की घटनाएं कोई अच्छी बात नहीं है। राजा साहब तो फिर भी एक विधायक थे। सर्वसाधारण आदमी को भी इस तरह से गोली से नहीं मारा जाता। मैं आपके द्वारा भारत सरकार तक अपनी एक बात पहुंचाना चाहती हूं कि उस मुख्यमंत्री को हटाना ही काफी नहीं है उस मुख्यमंत्री को और भटटी को फौरन दफा 302 के अन्दर गिरफतार करना चाहिये और उनके उपर बाकायदा मुकदमा चलना चाहिये। ..... व्यवधान व भाोर.....

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): मेरा ख्याल यह है कि आप अखबार अच्छी तरह से पढती नहीं है मुकदमा बाकायदा दर्ज हो गया है। मुकदमा दर्ज होने के अलावा कमी ान भी बैठा हुआ है।

श्रीमति चन्द्रावती: स्पीकर साहब, वे गिरफतार तो नहीं हुए है। उनको तो गिरफतार किया जाना चाहिये। मैं उनकी आत्मा को अपनी श्रद्धाजंलि पे ा करती हूं। मैं उनके परिवार रानी साहिबा को आपके द्वारा अपनी और अपने दल की ओर से संवेदना पहुंचाना चाहती हूं। स्पीकर साहब, यही हाल सुरेन्द्र सिंह दलाल का हुआ। पांच सात बहिनों का एक ही भाई था। उसका कोई

कसूर नहीं था लेकिन उसको एक वर्दीधारी पुलिस के एएसपी ने गोली मार दी उसका जो कत्ल हुआ। यह कोई अच्छी बात नहीं है। स्पीकर साहब, ऐसे रिवायायत अच्छे नहीं है। आज वर्दीधारी लोग आम लोगों का कत्ल करते हैं। उनको सरेआम गोली मारते हैं छाती का नि ाना लगाकर गोली मारते हैं। यह कोई अच्छी बातें नहीं है। **********

मैं श्री वाईबी चव्हान को भी अपनी ओर अपने दल की ओर से श्रद्धाजंलि पे ा करती हूं। वह ऐसे नेताओं में से थे जिनके खिलाफ कोई चार्ज नहीं था।

इसी तरह से हमारे यहां के चौधरी माडू सिंह जी मलिक भी एक पक्के आर्य समाजी थे। वह अच्छे लोगो में गिने जाते थे। जिस समाज में वह रहे उनकी हमे ाा इज्जत होती रही। उन्होंने ि ाक्षा के क्षेत्र में वि ोशकर लडकियों की ि ाक्षा के लिये बहुत काम किया। महन्त श्रेयोनाथ जी एक ऐसे व्यक्ति थे जो वाकई महन्त थे और उनके लिये जितने भी श्रद्धाजंलि के भाब्द कहे जायें। वह उतने ही कम है। उनकी जितनी भी रिस्पैक्टर की जाये थोडी है। वह सभी मायनों में सन्त थे। उन्होंने कई संस्थाएं गुरूजी के नाम से चला रखी है। स्पीकर साहब, मुझे यह बात दोहराते हुए बडा भारी दुख हो रहा है कि सुरेन्द्र सिंह दलाल को महन्त श्रेयोनाथ जी द्वारा चलाये जा रहे महाविद्यालय में ही कत्ल किया गया था। मेरी मांग यह है कि उस एएसपी को फौरन गिरफतार किया जाना चाहिए। अगर आज दे ा में न्याय नाम की

कोई चीज बाकी है तो उसको गिरफतार किया जाना चाहिये और मामले की जुडीि ायल इन्क्वायरी होनी चाहिये। ..... व्यवधान व भाोर ..... अखबार में जो बात आयी है पूरी तो मुझे पता नहीं है लेकिन कमि नर साहब ने इन्कार कर दिया है कि मैं इसकी इन्कवायरी नहीं करूंगा।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैं मोहतरिमा बहिन जी को यह बताना चाहूंगा कि हमने बाकायदा अम्बाला डिवीजन के कमि नर को कहा है कि वह मौके पर जाकर इन्कवायरी करें। जो भी कसूरवार होगा या जिसका भी कसूर मिलेगा उसको हम पूरी सजा देंगे। जब किसी चीज की इन्कवायरी हो रही है तो बहिन जी को इस तरह से बात नही करनी चाहिए जिस तरह से वे कह रही है।

श्रीमति चन्द्रावतीः हम तो यह मांग कर रहे हैं कि जुडीि ायल इन्कवायरी होनी चाहिए ********** ..... व्यवधान व भाोर ..... हमारा कहना यह है कि उस एएसपी को गिरफतार करवाया जाये। जाट कालेज में कितने ही लडकों को पुलिस ने होस्टल के अन्दर जाकर पीटा है। आप बे ाक इस बात की इन्कवायरी करवा लीजिये। मैं कहना नहीं चाहती थी लेकिन आप लोग मुझे प्रोवोक करते हैं। इसी तरह से मैं भोपाल गैस ट्रैजेडी के बारे में यह कहना चाहती हूं कि यह कांग्रेस के राज का एक ज्वलन्त उदाहरण है। इससे बडी दुर्घटना और इससे बडढा गल्त काम और कोई नहीं हो सकता। हिरोि ामा और

नागासाकी पर जब बम पडा था तो उस व्यक्ति ने जिसने वह बम बनाया था, सुएसाइड कमिट कर लिया था। आज इतने सालों के बादा भी वहां पर जो बच्चे पैदा हो रहे हैं उन पर असर हो रहा है। इस दे ा में यह जो इतनी बडी दुर्घटनाएं हुई है। इस बारे में सांइटिस्टस की आब्जर्वे ान यह है कि इसका पेड–पौधों पर भी असर हुआ है। गर्भवती माताओं पर असर हुआ है। लाखों लोगों को दीखता ही नहीं है। यह पाप कांग्रेस के लोगों के किया है। मैंने यह सवाल इसलिये उठाया है क्योकि इस तरह के कई कारखाने हरियाणा में भी लगे हुए हैं।

श्री अध्यक्षः साहेबान, मैं आनरेबल मैंबर्ज से रिक्वैस्ट करूंगा कि औबीचुअरी रैफरैंसिज का जो मतलब है और जिस रिस्पैक्ट से हमें बात कहनी चाहिए उसी तरह से हमें बातें करनी चाहिए इसमें कोई पोलिटिकल किटीसिजम नहीं आना चाहिये। अभी हमारे पास बहुत समय है। जितना समय आप चाहोगे मैं उतना ही समय बोलने के लिए दूंगा। तब आप गवर्नमेंट को या उसकी पालिसिज को किटीसाईज कर सकते हैं। इस वक्त अगर आप पोलिटिक्स को बीच में न लायें तो उसकी बडी मेहरबानी होगी।

श्रीमति चन्द्रावतीः बहुत अच्छी जी। मैं भोपाल की गैस ट्रैजेडी की बात कर रही थी। वह गैस ट्रैजेडी दुनिया की सबसे बडी गैस ट्रैजेडी मानी जाती है। यह ट्रैजेडी जिन लोगों की वजह से हुई ह ै उनको क्यों न सजा मिले। मैं यह बात इसलिये भी

कहना चाहती हूं कि इस तरह के कारखाने हमारे हरियाणा में भी कुछ सालों से लगे हुए है। मैं तो हरियाणा सरकार को इस बात के लिए आगाह करना चाहती हूं। मैं अपनी श्रद्धाजंलि भोपाल गैस ट्रैजेडी में मारे गये लोगों को भी अर्पित करती हूं। स्पीकर साहब, श्रीमति इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद दे ा के अन्दर जो नंगा नाच हुआ जो कत्लेआम हुआ और सिख भाइयों को मारा गया, जिस तरह से उनके मकानों को जलाया गया और जिस तरह से लोगों को जिन्दा जलाया गया, ये बातें नादिर ााह और हलाकू के जुल्मों को भी भुला देती है। आज हमारा दिल मरा हुआ है। हमारे दे ा के अन्दर जो सिख भाइयों पर जुल्म हुए हैं वह दे ा के नाम पर एक कलंक है और मैं समझती हूं कि उनके प्रति भी मैं श्रद्धाजंलि अर्पित करती हूं। मेरा गला आज खराब है इसलिए मैं ज्यादा न कहते हुए अपना ध्यान लेती हूं।

श्री मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने सदन में जो भाोक प्रस्ताव रखा है मैं अपने को भी उसमें भाामिल करता हूं। स्पीकर साहब अवका ा के बाद जब कभी सदन मिलता है तो हमारी यह परम्परा रही है कि संसद की महान हस्तियां, विधान मंडलों की महान हस्तियां और दे ा के बडे लोग दे ा की विख्यात हस्तियां जो संसार से उठ गई होती है उनके प्रति सम्मान व्यक्त करें। उनके द्वारा जो महान कार्य किए गए हैं उनकी प्रं ासा करें और ऐसा करके हमें उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। आपने ठीक ही फरमाया है कि गवर्नमेंट को किटीसाइज

करने का गवर्नर ऐड्रैस पर बजट पर और सप्लीमैंटरी डिमान्डज पर बोलते हुए काफी समय मिलेगा और उस समय काफी कुछ कहा जा सकता है। स्पीकर साहब, जब कोई घटना घटित होती है तो उस घटना पर बोलते हुए उसके साथ कुछ कारण बताने पडते है चाहें वे सत्ता दल के अनुकूल पडे या प्रतिकूल पडे। हमारे मन में कोई ऐसी बात नहीं है कि इस मौके पर हम सरकार को क्रिटीसाइज ही करना चाहते हैं। लेकिन they are not sacred cows कि जिनके बारे में कुछ नहीं कहना चाहूंगा कि सदन के नेता ने जो सूची सदन में रखी है उसमें बहुत भारी महान हस्तियां हैं जिनका इस संसार से चला जाना बहुत दुखदायी है। जिनका इस संसार से चले जाना दे ा की सलामती दे ा की ऐटगरिटी और दे ा की अखंडता से संबंधित है। स्पीकर साहब, भारत के 72 करोड लोगों की प्रधान मंत्री अपने ही घर में और अपने ही गार्डो के हाथ मारी जाए इससे ही ज्यादा अफसोस की और क्या बात हो सकती है। ज्यादा कहने का तो मौका नहीं है लेकिन मैं तो इतना ही कहना चाहूंगा कि जो सतारूड दल अपने प्रधानमंत्री की रक्षा नहीं कर सकता वह दे ा के लोगों की क्या रक्षा कर पायेगा? How will they deliver the goods? स्पीकर साहब, मरने के बाद श्रीमति इंदिरा गांधी को भारत रत्न की उपाधि दी गई। जो पार्टी अपने रत्न की रक्षा नहीं कर सकी क्या वह पार्टी भारत के कंकर और पत्थरों की रक्षा करेगी? श्रीमति फरोज गांधी, जिनको श्रीमति इंदिरा गांधी के नाम से जाना जाता था, के कत्ल से उनकी निमर्म हत्या से सारी दुनिया में तहलका मच गया। वे दे ा

सोचने लगे कि जो दे ा भाांति का पाठ देने वाला हैं और जिसके बारे में कहा जाता है कि भारत बडी तरक्की कर रहा है वह अपने प्रधानमंत्री तक की रक्षा नहीं कर सका। स्पीकर साहब, अब तो बहुत सी बातों का पर्दा फा ा हो रहा है कि बडे बडे ओहदों पर बैठे हुए लोग जासूसी कर रहे थे और वे उनके ही घर में बैठे हुए थे। स्पीकर साहब, उनके घर में ही जासूस निकले.....

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप खुद ही महसूस कर रहे होगें that this is beyond scope.

Shri Mangal Sein: It is within the scope, Sir, because it concerns the integrity and secularism of the country.

श्री अध्यक्षः मेरी रिक्वैस्ट है कि आपको सरकार के बारे में और ला एण्ड आर्डर के बारे में बोलने के बहुत मौके मिलेंगे। आप उस समय खूब बोल लेना लेकिन इस वक्त इन बातों के कहने का समय नहीं है। आप इस समय भाोक प्रस्ताव पर ही बोंले।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, हरियाणा के अन्दर भी बडे बडे अफसरों को बदला गया है। हम चाहेंगे कि सरकार बयान दे कि उनको क्यों बदला गया? कहीं उनका उन जासूसों के साथ कोई सम्बन्ध तो नहीं है? ... भाोर एवं व्यवधान .....

श्री अध्यक्षः आप आज ही ये बातें क्यों पूछ रहे हैं? 29 मार्च तक सै ान चलना है फिर पूछ लेना।

श्री मंगल सैनः ********** की तरह आपके दफतर में तो कोई आदमी नहीं बैठे है? ..... भाोर एवं व्यवधान ....

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, ये फोरम का मिसयूज कर रहे हैं। इस तरह का कोई सिस्टम नही है कि इस वक्त हम इनकी बातों का जवाब दें। इनको इस तरह की बात नहीं कहनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः जो नाम लिए गये है वे रिकार्ड न किये जाए।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, ऐसे लोगों के नाम भी अगर हम नहीं ले सकते तो हम उनको कैसे रैफर करें? I am rightly usinig the forum and within my rights to say it.

श्री अध्यक्षः मेन बात तो यह हैं कि आप जो कुछ कह रहे हैं उनका जवाब देने के लिए इनको टाईम नहीं मिलेगा। मैं बार–बार यह कह रहा हूं कि सब बातों को कहने के लिए आपको बहुत मौंके मिलेंगे। this is not the porper thime for saying such things.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, एक बहुत ही दुःखी घटना हुई। केन्द्र सरकार ने वेल्यू स्टार आप्रे ान किया.....
..

श्री अध्यक्षः इस समय वेल्यू स्टार का क्या सम्बन्ध?

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इन्दिरा गांधी के कत्ल के लिए जो कल्प्रिटस् हैं उन्होंनें वहां जाकर कसमें खाई। वहां पर हथियारों का भण्डार बना दिया और निर्दोश लोगों की हत्या की गई। उस समय इन कल्प्रिट्स के गुरु जब दिल्ली गए तो उस समय के होम मिनिस्टर ने उनके पांव को हाथ लगाया लेकिन बाद में कह दिया कि यह आदमी ठीक नहीं हैं। आज के प्रधान मंत्री ने उस समय कहा था कि वह तो साधु आदमी हैं और ऐसा कहने से उस आदमी को ऐनकरेजमैंट मिली और इसी वजह से इतनी कीमती प्रधानमंत्री हमारे हाथों सें छीन गई। हमारे मुख्य मंत्री जो हिन्दी तो अच्छी तरह जानते हैं अगर वे अंग्रेजी में दिया हुआ भाोक प्रस्ताव पढ़ लेते तो अच्छा होता हंसी पब्लिक रिले ांज डिपार्टमैंट ने उसमें प्रधान मंत्री के बारें में बहुत सी बातों का हवाला दिया हैं। मैं तो केवल इतना ही कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार नाअहल रही हैं जो प्रधानमंत्री की सुरक्षा नहीं कर सकीं। सरकार को अपने गिरेबान में मुंह डालकर झांकना चाहिए कि जब दे ा की प्रधान मंत्री की रक्षा न कर सकी तो इस 72 करोंड़ के मुल्क को कहां ले जाएगी और कैंसे इसकी हिफाजत करेंगी। बहन चन्द्रावती जी कहा रही थी कि जब किसी को गोली से मारा हैं तो उसकी इक्वांयरी कराओ। भजन लाल जी ने कह दिया कि कमि ान बिठाया हुआ हैं। भजन लाल जी जुडि ियल कमि ान और ऐग्जैक्टिव कमि ान में क्या फर्क होता हैं। यह आपको पता

होना चाहिए। आपको अगर कानूनी चीजों का पता नहीं हैं तो चौधरी भाम ेर सिंह तो वकील हैं उनको तो कानूनी बातों का पता हैं। आप हाई कोर्ट के जज से इंक्वायरी करवाओ सारी असलियत सामने आ जाएगी। लेकिन आप ऐसा नहीं करना चाहते क्योंकि आपको डर हैं कि कहीं जुडि ियल इंक्वायरी करवा दी, कोई हाई कोर्ट का जज लगा दिया और कहीं आपके खिलाफ स्ट्रिक्चर्ज पास कर दिए तो आपको जाना पड़ेगा। राजीव गांधी वैसे भी आपको छुट्टी करने वाली हैं क्योंकि उन्होंनें कहा हैं कि मैं भ्रश्टाचार पसन्द नहीं करुंगा। (हंसी)

Mr. Speaker: There is no relevancy of this matter hrer. This is too much.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं बिल्कुल रैलेवैन्ट हूं। स्पीकर साहब, आज हमने गर्वनर साहब को सुनना नहीं था। वह तो यहां तक कह गये कि ऐन्टी डिफैक ान बिल का मैं स्वागत करता हूं।

श्री अध्यक्षः आप इसको खूब पढिए, खूब क्रिटिसाइज करिए लेकिन आज के बाद ।

श्री मंगल सैनः कौन सा कानून रोकता हैं गवर्नर साहब का नाम लेने से। भजन लाल जी ऐन्टी डिफैक ान बिल पास होने के बाद तो आपको आदमपुर में ही घी बेचना पड़ेगा। (हंसी) मैं कोई बुरी बात नहीं कह रहा हूं। मैं तो अच्छी बात, सेहत वाली बात कह रहा हूं। स्पीकर साहब, किस किस्म की सरकार चला रहे

हैं कि जिसको चाहो गोली मार दो? क्या तकलीफ इनको होती थी कि सुरेन्द्र सिंह दलाल की इंक्वायरी करवा लेते? मैं तो इतना कहना चाहता हूं कि.....बहुत गैरजिम्मेदार आदमी हैं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह जो नाम लिया गया हैं यह रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी भजन लालः डा0 साहब, आप भाोक प्रस्ताव पर बोलें। आप तो पुराने लेजिस्लेटर हैं। (ाोर)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, * * *

* *

* * * * *

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप जैसे स्टैंडर्ड के लैजिस्लेटर ऐसी बातें ओविचुअरी रैफ्रन्सिज में कहेंगे तो अन्य मैंम्बर साहिबान क्या सोचेंगे?

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब वे इन बातों से प्रेरणा लेंगे।

श्री अध्यक्षः जो कुछ डा0 साहब ने कहा हैं कि वह रिकार्ड न किया जाए क्योंकि इसका इस बात से कोई सम्बन्ध नहीं हैं।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, * *

*   *   *   *   ***   *

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा कहने यह हैं कि it is your job to interrupt me, to guide me and put me on the right path. He is no body to do this.

Mr. Speaker: I have asked the Reportes not to write that. आप भी रेलेवैन्ट हो जांए। जो बात मुख्य मंत्री ने कही हैं, वह भी हटवा दी हैं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब उस नौजवान को जो अपने हकों की लड़ाई लड़ते हुए भाहीद हुआ, आखिरकार वह भी किसी मां का लाल था, उसकी मां ने भी जन्म देने के लिए काफी कट उठाए होंगे, उसकी इस सरकार ने जान क्यों ली और अब सरकार क्यों नहीं उसकी जुडि ायल इंक्वायरी करवाती? मैं उस दिवगंत आत्मा को अपनी श्रद्धाजलिं देता हू ।

इसी तरह से स्पीकर साहब, वल्यूस्टार आपरे ान में हरियाणा के गांव–गांव से जवान और अफसर गये थे और वे भाहीद हुए, उन सब का नाम भी इसमें भाामिल होना चाहिए था।

स्पीकर साहब, श्री वाई0 बी0 चव्हाण, महाराश्ट्र के पहले मुख्यमंत्री थे और बाद में हिन्दोस्तान के रक्षा मंत्री भी रहे, उनके जीवन के बारे में भी काफी कुछ चर्चा यहां पर आई हैं। स्पीकर

साहब, मैं भी उनके विचारों से सहमत हूं। जब उन्होंनें देखा कि कांग्रेस पार्टी अपने रास्ते से भटक रही हैं, गांधी जी के रास्ते को छोड़ रही हैं तो उन्होंनें कांग्रेस पार्टी को छोड़कर नयी काग्रेस पार्टी खड़ी कर ली और ऐसा करके उन्होंनें बड़ी मर्दानगी दिखाई। वैसे तो स्पीकर साहब, इधर से उधर और उधर जाना यह तो कांग्रेसियों का धन्धा हैं। अब श्री राजीव जी ने इनका बन्दोबास्त किया हैं देखें कहां तक कामयाब होते हैं।

स्पीकर साहब, श्री धर्मवीर, जोकि केन्द्र में मंत्री रहे और जिन्होनें दलितों के उत्थान के लिये आर्य समाज के सहयोग से कार्य किया वे भी इस संसार से चले गए। श्री अ ाोक मेहता जोकि केन्द्र में मंत्री रहें, वे सच्चे मायनों में एक एक सन्त थे। छोटी उम्र में, हम उनके वक्तक्यों को पढ़ा करते थे। वे बड़े ही समाजवादी थें। स्वतन्त्रता आन्दोलन में तीन वर्श तक जेल यातना सही। वे काग्रेंस सो ालिस्ट भारत छोड़ो आन्दोलन में तीन वर्श तक जेल यातना सही। वे कांग्रेस सो ालिस्ट पार्टी के संस्थापक सदस्य थे। मीसा के तहत जब वे रोहतक जेल में थे, तो हम भी उसके साथ जेल में थे। श्री भजन लाल जी की सरकार उस वक्त नहीं थी। किसी और ही लाल की सरकार थी। वे बड़े ही सज्जन आदमी थे, श्रद्धालु थे। उनके चारणों में बैठकर उनसे विचार सुनना ऐसा लगता था जैसे कि हम गुरुकुल में बैठकर गुरु से ि ाक्षा प्राप्त कर रहे हों। वे भी दुनिया से चले गये।

चौधरी माडू सिंह मलिक, महन्त श्रेयोनाथ, हमारे रोहतक के रहने वाले थे। बड़े ही सज्जन पुरूश थे। वे हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री भी रह चूके हैं। वैसे तो स्पीकर साहब, प्रभु का यह नियम हैं कि जो आता हैं, वह अव य ही जाता हैं। केवल उनकी अच्छाईयां ही भोश रह जाती हैं। श्री माडू सिंह जी मलिक एक अच्छे वकील थे, पुराने सामजवादी और रोहतक जिले में आर्य समाज के कर्ताधर्ता थे उनके माध्यम से वहां पर आर्य समाज का काफी प्रचार हुआ हैं। महन्त श्रेयोनाथ जी पूर्णनाथ योगी के ि ाश्य थे। वह एक प्रतिश्ठित धार्मिक नेता थे और इस क्षेत्र के मुख्य मठों में से एक मठ के प्रमुख थे। वहां लोगों की सुख–सुविधा के लिये अस्पताल, ऐलौपैथिक डिसपैन्सरी भी स्थित हैं। तपे हुए आर्या समाजी थे। अंग्रेजों से लोहा लेने वाले व्यक्ति थे। कई भाशाओं के विद्वान थे। उन्होंनें समाजिक और धार्मिक गति विधियों में सक्रिय भाग लिया। वे भी इस दूनिया से चले गये।

स्पीकर साहब रेवड़ी से राव निहाल सिंह एक नौजवान हमारे साथी भी हमारे बीच से उठ गये हैं। हरियाणा के भूतपूर्व उपमंत्री थे। वहां के सामन्तों से उन्होंनें कई बार लोहा लिया। अहीर ऐजुके ान बोर्ड में भी वे सदस्य रहे थे। अब भी काफी एक्टिव थे। अचानक हृदय गति रुक जाने के कारण वे इस दुनिया से चले गये, उस नौजवान से हमें बहुत सारी प्रेरणा मिलती हैं।

श्रीमति राम कौर कैरों, का भी यहां पर उल्लेख आया, वे भी पंजाबी विधान सभा की एम0 एल0 ए0 रही हैं। सरहाली से वह अपने पति के गुजरने के बाद पहली बार निर्वाचित हो कर आई थी। स्पीकर साहब, श्री भवानी प्रसाद मिश्र एक प्रसिद्ध कवि थे उनका उल्लेख भी यहां पर आया हैं। उन्होंनें स्वाधीनता संग्राम में भी बड़ा बढ़–चढ़ कर भाग लिया। भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान उन्हें जेल जाना पड़ा। चार साल तक उन्होंनें वर्धा के महिला आश्रम में अध्यापन कार्य किया और दो साल तक आका ावाणी में प्रोड्यूसर के रुप में कार्य करते रहे। सर्म्पूण गांधी वाड्मय के उप–मुख्य सम्पादक भी रहे। वे अनेक पुस्तकों के रचियता व अनेक पत्रिकाओं के सम्पादक थे। इस तरह की महान आत्मांए यदि इस संसार से चली जाए तो स्पीकर साहब, इस सदन के नेता ने यह प्रस्ताव रखा हैं, मैं उसका समर्थन अपने और अपने दल की और से करना चाहता हूं। साथ ही मैं भोपाल गैस से मरने वालों की हृदय विदारक घटना पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं। इस सदन में जहां हम मरने वालों को श्रद्धाजंलि दे रहे हैं। हमें वहां की बहरे कानों वाली सरकार से यह कहना चाहिए कि वह उन मरने वालों को श्रद्धाजंलि दे रहे हैं। की क्षतिपूर्ति करें, उनकी सूख सुविधाओं का प्रबन्ध करे। साथ ही ऐसी मल्टीने ानल ऑर्गेनाइजे ान जो हमारे दे ा में काम करती हैं, वे भी इस और ध्यान दें। भजन लाल जी आप भी इधर अपने राज्य में देख लें कि कोई कारखाना पोलूट तो नहीं करता हैं, वतावरण को दूशित तो नहीं करता हैं। कहीं इधर भी हजारों लोगों की जान न चली

जाए, इस तरफ ध्यान दे। स्पीकर साहब, जो निर्दोश लोग भोपाल में मारे गये हैं, उनको मैं श्रद्धांजलि अर्पित मारे गये हैं, उनको मैं श्रद्धाजलि अर्पित करता हूँ और इस भाोक प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। जो सं ाोधन मैंने सुरेन्द्रसिंह दलाल के बारे में, और हरियाण के जवान और अफसर जो कि ब्लू स्टार आपरे ान के दरम्यान मारे गये हैं, भाहीद हुए हैं, के बारे में किये हैं, उनके नाम भी इस में भाामिल किये जांए। इन भाब्दो के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं और एक बार फिर इस भाोक प्रस्ताव का समर्थन करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

श्री हरिचन्द्र हुड्डाः स्पीकर महोदय, आज जो हमारे सामने भाोक प्रस्ताव आया हैं इस बारे में दरअसल सब से पहली बात देखने वाली यह हैं कि मौत क्या हैं? मौत को समझाने के लिए सक्रिट ने अपने सभी चेलों को इकट्ठा किया और कहा कि मौत तो कुछ भी नहीं हैं। हिन्दु माईथोलोजी में भी बताया गया हैं कि मौत केवल कपड़ा बदलना ही हैं। हम कबीर को ही लें उन्होंनें कहा हैं कि चलती चक्की देख कर क्यों कबीरा रोय, दो पाटन के बीच में बाकी बचा कोय। युधिश्ठर ने भी इस बारे में बड़ी अच्छी बात कही हैं कि हम सब को मरते हुए देखते हैं लेकिन अचम्भा यह हैं कि हमारा ध्यानप इधर नहीं जाता कि हम भी मरेंगे। यह जो मरने वाले लोगों कि लिस्ट हैं हम इन सबको श्रद्धाजलि अर्पित करते हैं। हिन्दू माइथोलाजी यह कहती हैं मरने वाले के खिलाफ कुछ नहीं बोलना चाहिए इसलिये जो भी लोग मरे हैं हम उनको

श्रद्धाजलि अर्पित करते हैं कि उनकी आत्मा को भाान्ति मिले तथा उनके कुनबे के लोगों को यह दु:ख सहने का उत्साह मिले। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मरने वाले तो किसी बात के लिए मरे हैं क्योंकि ये सारे ही पोलिटि ायंज थे। इसलिए हम जाने वालों को श्रद्धांजलि पे ा करते हैं कि वे अच्छे आदमी थे। लेकिन हमने उनसे क्या सीखा, उस सीख पर हमें अपनी श्रद्धांजलि पे ा करनी चाहिए। वह सीख यह हैं कि हमें हिन्दोस्तान को आगे बढ़ाना हैं। हिन्दुस्तान को आगे बढ़ाने का इन्तजाम एंटी डिफैक ान बिल नहीं हैं, यह हमारे एडमिनिस्ट्रे ान पर एक धब्बा हैं। इसका मतलब यह हैं कि हम भ्रश्टाचारी हैं। हमें प्रण करना चाहिए कि हम दे ा में भ्रश्टाचार को बढ़ने नहीं देंगे।

श्री अध्यक्ष: हुड्डा साहब, क्या यह श्रद्धांजलि हैं? हमें इस मौके पर सीरियस होना चाहिए।

श्री हरि चन्द्र हुड्डा: मैं इस बारें में बिल्कुल सीरियस हूं। इसलिये मैं सब बन्धुओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं कि उनकी रुह को भाान्ति मिले और हम उनसे यह सीखें कि इस दे ा को आगे कैसे बढ़ाया जाये, धन्यवाद।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मेरा एक सं ाोधन था, उसका क्या बना?

श्री अध्यक्ष: वह लीडर ऑफ दी हाउस के बोलने के बाद आया हैं इसलिए उसे मैं बाद मैं देखूंगा कि क्या हो सकता हैं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, अगर उसे मान लेते तो क्या हर्ज था?

श्री अध्यक्षः इसके लिए कुछ प्रिसिंपल तथा कुछ रूल्ज भी एडोप्ट करने पड़गे।

आनरबेल मैम्बर्ज, पिछले असैम्बली सै ान के बाद हम से बहुत सी परसैनेलिटीज अलग हो गई हैं। आनरबेल मैंम्बर्ज, आप मुझ से सहमत होंगे कि जिन परसैनेलिटीज अलग हो गई हैं। आनरबेल मैम्बर्ज, आप मुझ से सहमत होंगें कि जिन परसैनेलिटीज का जिक्र इन औबिच्यूरी रैंफ्रेंसिज में आया हैं, वे इन फैक्ट महान हस्तिया थी। इसमें कोई भाक नहीं कि उनके चले जाने से जो खला पैदा हुआ हैं वह पूरा होना मु कल हैं। इस लिस्ट में कुछ एक के बारे में जिक्र करना मैं अपना फर्ज समझता हूं।

श्रीमति इंदिरा गांधी हमारी कन्ट्री की प्राईम मिनिस्टर थी 3who was assassinated on 31st October, 1984. श्रीमति इंदिरा गांधी नू अपने चाइल्डहुड से ही पौलिटिक्स में पार्ट लेना भुरु कर दिया था and at hte age of thirteen she organaised 'Vanar Sena', a body of teenagers to help the Congress Party in its fighty for Independence. She took active part in 'Quiot India Movement and courted arrtest alongwith her husbadn, Sh. Feroze Gandhi. Shje held various offices in the Congress Party for a number of years. वह 1964 में राज्य सभा के लिए इलैक्ट हुई थी। She waselectel lead3er of the Congress Parliamentary Party in 1966 and remained Prime Minister of India from 1966

to 1977 and 1980 to 1984. She was conferred the highgest awared of Bharat Ratna' in 1972. उन्होंनें ने ान को most repidly developing comnuntr4ies of the world की लाईन में खड़ा करने के लिए दे ा को माडर्निटी, सौ ाल जस्टिस, इकनौमिक रिफामर्ज, साई टिफिक एंड टैक्नोलोजिकल एडवांसमैंट की तरफ लीड किया। She was tireless crusader for the4 uplift of the under-privileged. She initiated concrete and lasign programmes ofr the economic and social betterment of the Weadker Sections of our Society. She was a Messiah of the poor and had a deep respect for all religiouns and foughty against the evil of Communalishm till her last breath. श्रीमति गांधी ने साईसं एंड टैक्नोलौजी, एडवैंचर एंड स्पोट्स में स्पै ाल इन्ट्रैस्ट लिया था। उन्हीं की लीडर ाप में इन्डिया ने 1974 में फर्स्ट पीसपुल न्यूकलियर एक्सप्लोज ान कंडक्ट किया था। उनके इनि ाएटिव और इन्सीपीरे ान से 1982 में नई दिल्ली में नाइन्थ ए ियन गेम्ज हुए थे। The God Order of the International Olympic Committee weaas conferred on her in 1983. उन्होंनें अपने दे ा में प्रिजरवे ान आफ दि एनवायरनमैंट के कामों को बढ़ावा दिया। For her enduring contribution in the intellectula spheere, she received Doctoral Degreers and aqwards from a large number of Universities and Scientific academies in our country and abroad. फैमिली प्लानिंग के फील्ड में आउट स्टैंडिग वर्क के लिए उन्हें 1983 में यू0 एन0 पापुले ान एवार्ड दिया गया

था। श्रीमति गांधी इन्टरने ानल पीस तथा कोआप्रे ान8 की वर्ल्ड की फारमोस्ट चैम्पीयन्ज में सी एक थी।

She was in front rank of the Non-Aligned Movement and was elected Chirperson at Seventh Non-Aligned Summit in 1983. She was posthumously awarded the 1984.Jawahar Lal Nehru Award for International Understanding.

In her tragic assassination the country has lost one of the greatest leaders of the 20th century who had taken India to unprecedented heights of accomplishment and acclaim. She was a great patriot, outstanding world statesman, leader of indomitable courage and a great visionary.

श्री वाई0 वी0 चव्हाण हमारे दे ा के फौरमर डिप्टी प्राइम मिनिस्टर थे। वह इंडियन ने ानल कांग्रेस के एक एक्टिव वर्कर थे जिन्होनें 1930 में सिविल डिसप्रोविडिएंस मूवमैंट में हिस्सा लिया और जेल भी गए।He held various offices in the restwhile Bombay State and also remained Chief FMinister for qa mumber of years . Shri Chavan was the Chairman of Eighth Finance Commission also.A widely travelled man. Shri Chavan, represented India in various International meets and Confrrences. In his deqath, the country has lost a freedom fighter, and able administrator and a scasoned parliamentarian.

Shri Dharamvir was a former Un on Minister of St6ate.He in association wioth Arya Samaj also wo9rked fo9r the uplift of down-trodden.He remainde a member of U.P.

Legislative Assembley and Rajya Sabha also. He was a great social worker.

श्री अ ाोक मेहता हमारे फोरमर यूनियन मिनिस्टर थे Who left the studies for participating in freed0m movement and was sent ot jail during the 'Quit India Movement.' In 1957, he was appointewds Chairman of Food Enquiry Committee and was Depuity Chaiman of the Planning Commission for four years. HJe led Planning Commisssion delegations to U.S.S.R and U.S.A. उन्हें कई यूनिवर्सिटीज ने एक रिनाउन्ड पोलिटीकल स्कोलर एण्ड इकोनोमिस्ट होने के कारण ओनर भी किया था। उनकी डैथ से दे ा ने एक नोटिड इकोनोमिस्ट खो दिया हैं।

श्री भोला पासवान भाास्त्री हमारे फोरमर यूनियन मिनिस्टर थे Who joined the Non-Cooperation Movement whiole he was a school student he was a Journalist also. वह 1946 में बिहार असैम्बली मैं अन अपोजड इलैक्ट हुए थे और बाद मैं बिहार की कैबिनेट में फा ए नम्बर ऑफ ईयरज तक रहे थे और बाद में चीफ मिनिस्टर भी रहे। He was a champion of the down-trodden and Harijans who heaed Commission for Scheduled Castes and Scheduled Tribes in 1978.

श्री आर0 वी0 स्वामीनाथन हमारे फोरमर यूनियन मिनिस्टर आफ स्टेट थे। He also took active part in freedom struggle and was imprisoned several times. Sh Swaminathan

remained a member of Lok Sabha for a number of years. He was a widely travelled man.

डा0 वी0 ए0 सईद मुहम्मद हमारे फोरमर यूनियन मिनिस्टर आफ स्टेट थे। He was a gr3eat freedom fighter who was awarded Tamra Patra in Sabha and Lok Sabha for about six years. He was High Commissioner of India to U.K. in 1980 and remained as such for about four years. He was Senior Legal Advisior to the Unitted Nations in 1971 and was Alternate Delegate to the United Nations in 1975. वह ला की कई पुस्तकों के आथर एण्ड एडीटर भी रहे। उनकी डैथ से दे ा ने एक लींडिग लीगल लीगल लीयूमनरी खो दिया हैं।

श्री रत्न लाल कि ाोरी लाल मालवीय हमारे फोरमर यूनियन डिप्टी मिनिस्टर थे। He was a Trade Unio9nist who was associated with several Labour Welfare Organisations including INTUC. He was a Member of the Constituent Assembly as also of Provisional Parliament and remaned on the Union Council of Ministers for about foru years. उन की डैथ से दे ा ने एक ट्रेड यूनियन खो दिया हैं।

चौधरी माडू सिंह मलिक हमारी स्टेट के ही मिनिस्टर थे, who headed numer4ous educational institutions. वह आर्य समाज के एक स्टांच स्पोर्टर थे। उन्होंनें को–आप्रेटीव इन्स्टीच्यूं ाज में फार एबाउट थ्री डिकेडज वैरीया आफिसिज होल्ड किए। He remained Member of the Punjab Assembly as also of Haryana Assembly for about foruteen years. He was the

Education Minister of our State for about seven years. उनकी डैथ से दे ा ने एक परोमोटर आफ एजूके ान खो दिया हैं।

महन्त श्रेयोनाथ योगी भी हमारी स्टेट के मिनिस्टर थे। वह मंहत पूर्ण नाथ योगी के डिसाईपल थे। He took active part in sociat and religious activities. He was elected to The Haryana Vidhan Sabha twice. उनकी डैथ से दे ा ने एक रिनाउन्ड रीलिजियस लीडर खो दिया हैं।

राव निहाल सिंह हमारी स्टेट के फोरमर डिप्टी मिनिस्टर थे। He was associated with a number of Educational and Social Organisations of Mahendertgarth district.

टिक्का रतन अनमोल सिंह ज्वायंट पंजाब असैम्बली के फोरमर मैम्बर थे। वह अरस्टव्हाईल प्रिसली स्टेट आफ बुरिया के फोरमर रूलर भी थे। He was an abel Legislator.

श्री हर भगवान मोदगील भी ज्वांयट पंजाब असैम्बली के फोरमर मैंम्बर थे। He worked in manmy Organisations connected with the rehabilitation of displaced persons. he held sevral officves in District Congress and remained executive member of the Puinjab Pradesh Congress Committee.

सरदार प्रीतम सिंह सहोंके, भी ज्वांयट पंजाब असैम्बली के मैम्बर थे। He was president of Khalsa Bredari in PEPSU and was a member of S.G.P.C.

श्री भवानी प्रसाद मिश्र एक फ्रीडम फाइटर थे। He was Producer of AIR and Deputy Chief Editor of Sampurna Gandhi Vangmay. वह एक ग्रेट हिन्दी पोइट थे और 'GEET FAROSH' is the one of his outstanding poetic contributions. उनकी डैथ से कन्ट्री ने एक रैवोल्यू ानरी थिंकर एण्ड एक राईटर खो दिया हैं।

मिसेज राम कौर हमारी सिस्टर स्टेट पंजाब के फोरमर एम0 एल0 ए0 और फोरमर चीफ मिनिस्टर सरदार प्रताप सिंह कैरों के घर से थी। She took active part in freedom movement. She was a promoter of education who did a lot in this regard in the rural areas particularly.

मैं भोपाल गैस ट्रेजडी के बारे में जो कुछ भी कहू कम हैं। वह हमारी कन्ट्री का एक बहुत बड़ा एक्सीडैन्ट था।

मैं जिन सब परसनैलेटीज का जिकर इस लिस्ट में किया गया हैं, को होमेज पे करता हूं और इसव हाउस की डीप सिम्पथीज को ब्रीवड फैमीलिज तक भी पहुंचा दूंगा।

अब मैं हाउसय से रिकवैस्ट करुंगा कि इन डिपाटिंड सोल्ज को होमेज पे करने के लिए खड़े हो कर दो मिनट की साईलैंस ओब्जर्व करें।

(इस समय सदन ने दिवंगत नेताओं के सम्मानप में खड़े हो कर दो मिनट का मौन धारण किया।)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, क्या इस लिस्ट में श्री सुरेन्द्र सिंह दलारल का नाम भाामिल कर लिया गया हैं? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः ये नहीं मानते। (विघ्न)

बैठक का स्थगन

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, जिन दिवगंत आत्माओं के सम्मान में यह भाोक प्रस्ताव पास किया गया हैं उनमें श्रीमति इन्दिरा गांधी का नाम भी भाामिल हैं। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना हैं कि इन सब के सम्मान में हाउस को 15 मिनट के लिए स्थगित कर दें।

श्री अध्यक्षः मेरे ख्याल में इस बात से तो सभी सहमत होंगे।

आवाजें: ठीक हैं जी

श्रीमति चन्द्रावती: स्पीकर साहब, या तो आज के लिए कोई बिजनैस रखना ही नहीं चाहिए था यदि कोई बिजनैस रखना ही था तो सवाल भी रखने चाहिए थे।

श्री अध्यक्षः आपकी बता ठीक हैं लेकिन यह टैक्नीकल डिफिकल्टी हैं अब हाउस 15 मिनिट के लिए स्थगित किया जाता हैं।

(तब सभा 12.47 बजे 15 मिनट के लिए स्थगित हुई तथा 13.02 को पुनः समवेत हुई)

श्री अध्यक्ष: मैंम्बर साहेबान.........

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, आयुवैदिक कालेज रोहतक के बारे में मैंने एक काल अटैन्‍ ान मो ान दिया था। इस कालेज में ए0 एस0 पी0 की गोली से श्री सुरेन्द्र सिंह दलाल नाम का एक विघार्थी मारा गया था। इससे पहले कि और बिजनैस भ्‍ाुरु किया जाए, गवर्नमैंट अपना स्टैंड ंस्पश्ट करे कि इस केस के बारें में इसने क्या–क्या कदम उठाये हैं? क्या सरकार क्षतिपूर्ति करने के लिए उस विद्यार्थी के माता–पिता को कोई मुआवजा दे रही हैं? वह विद्याथी 7 बहिनों का अकेला भाई और मां–बाप का इकलौता बेटा था। पुलिस की गोली से उसकी मृत्यु हुई हैं। क्या सरीकासर ने उस ए0 एस0 पी0 के खिलाफ कोई एक ान लिया हैं? अगरन लिया हैं तो उस एक ान से हाउस को एनलाइटन करें।

श्री अध्यक्ष: आपकी काल अटैन्‍ ान मो ान अभी मुझे मिली नहीं हैं। जब मेरे पास आयेगी तो मैं देख लूंगा।

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान,त्र हरियाणा विधानसभा के रुल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 18 के अनुसार मैंने आपको यह सूचना देनी हैं कि कांस्टीच्यू ान के आर्टिकल 176 (1) के अनुसार राज्यपाल महोदय ने आज 6 मार्च, 1985 को 10 बजे प्रातः हरियाणा विधान सभा के सामने ऐड्रैस देने की कृपा की हैं।

ऐड्रैस की एक कापी टेबल आफ दी हाउस पर रखी जाती हैं।

''अध्यक्ष महोदय तथा माननीय सदस्यगण,

1. हरियाणा विधन सभा के इस वर्श के पहले सत्र में आपका स्वागत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हैं

2. इस सत्र में आप मुख्य रूप से बजट–सम्बन्धी तथा आर्थिक मुद्दों पर विचार करेंगे। मुझे कोई सन्देह नहीं कि आपकी विचार –चर्चाए सद्भाव, आपसी सहयोग तथा वि वास की भवना से अनुप्राणित होगी। इस गरिमा ाली सदन के सदस्यों पर हरियाण की जनता के कल्याण–कार्यो को आगे बढ़ाने की भारी जिम्मेदारी हैं। मूझे पूरा वि वास हैं कि आप सब इस जिम्मेदारी को भारतीय लोकतन्त्र की उच्चतम परम्पराओं के अनुरूप निभाने में सफल होंगे।

3. राश्ट्र के लिए 1984 का वर्श त्रास का वर्श था। हमारी आदरणीय प्रधानमंत्री श्रीमति इन्दिरा गांधी की दुःखद हत्या

से समूचा दे ा कापं उठा और स्तब्ध रह गया। मनमुटाव तथा आतंकवाद फैलाने के उद्दे य से की गई घटनाओं की परिणति ऐसी गद्दारी भरी साजि ा के रूप में हुई जिसने बीसवी सदी के महानतम नेताओं में से एक को हम से छीन लिया। श्रीमति इन्दिरा गांधी समूचें वि व के निर्धन तथा दलित लोगों के आर्थिक उत्थान के लिए अनथक जिहाद करती हुई अमर हो गई। उनकी प्रगति ील नीतियों तथा मानव–जाति के आर्थिक कल्याण के लिए विज्ञान तथा प्रोद्योगिक के उपयोग पर बहुत जोर देने के फलस्वरूप भारत तटस्थ दे ाों के सहज नेता के रूप में उभरा हैं। अपनी अन्तिम सांस तक वह धर्मनिरपेक्षता, दे ा की एकता और भाक्ति के आद ार्ों के लिए निर्भीक होकर लड़ी। श्रीमति इन्दिरा गांधी अपने जीवनकाल में ही युगान्ताकारी व्यक्तित्व बन गई थी। अपनी मृत्यू में वह अमर हो गई। जब 1984 का वर्श समाप्ति पर था तो दे ा ने, जो पहले कभी इतना भाक्ति ाली और संगठित नहीं था, हमारे नवयुवक और गति ील प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी की एकता, भाान्ति, प्रगति एवं आधुनिकीकरण के आद ार्ों को अलगाववादी और विना ाकारी भाक्तियों पर घातक प्रहार करते हुए राश्ट्र ने भविश्योन्मुखी प्र ाासन का चुनाव किया हैं जो भारत को 21 वीं भाताब्दी में वि वनेता के रूप में उभारने की उज्जवल सम्भावनांए रखता हैं।

4. आम चुनाव ने हमारे महाने दे ा की जनता की परिपक्वता और सयानेपन को निश्कर्शतः प्रदर्ि ात किया हैं। यह

सन्तोश का विशय हैं कि समूचे राज्य में चुनाव भाान्तिपूर्ण रहे। केन्द्र की नई सरकासर ने सार्वजनिक जीवन को स्वच्छ बनाने, भ्रश्टाचार को उखाड़ फेकने और ऐसा कु ाल प्र ाासन–तंत्र देने पर बल दिया हैं जोकि जनता की आव यकताओं और आकाक्षाओं के प्रति संवेदन ाील हो। सार्वजनिक जीवन को स्वच्छ बनाने की दि ाा में पहला कदम संसद द्वारा दल–बदल विरोधी बिल का पास किया जाना था। हम इस कदम का स्वागत करते हैं। इससे हमारी राजनीतिक प्रणाली की कार्यपद्धति पर एक अच्छा और दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।

5. मेरी सरकार राज्य को एक कु ाल तथा स्वच्छ प्र ाासन देने के लिए वचनवद्ध हैं। मेरी सरकार भाासन को सुप्रवाही बनाने के लिए वर्तमान प्र ाासनिक कार्यविधियों का पुनरीक्षण करने के साथ–साथ परियोजनाओं और कार्यक्रमों को तेजी से पूरा करने के लिए भी वचनवद्ध हैं। सरकारी कार्यालयों और स्थापनाओं के कार्यचालन को सरल और आधुनिक बनाने के लिए ठोस उपाय किए जा रहे हैं।

6. जिला प्र ाासन तथा समान्य प्र ाासन में स ुधार लाने, कानून तथा व्यवस्था को बनाए रखने, आपुर्ति तथा सेवाओं की परिदान–प्रणाली में सुधार लाने, लोगों की ि ाकायतों दूर करने, प्र ाासन से भ्रश्टाचार को मिटाने के लिए साधक उपाय अपनाने, प्र ाासनिक सुधर तथा कार्मिक प्रबन्ध को उन्नत बनाने

के उपाय किये जा रहे है तथा इन्हें भीघ्र ही क्रियान्वित किया जायेगा।

7. दुर्भाग्य से हमारे पड़ौसी राज्य पंजाब में उपद्रव और अ ाान्ति की स्थिति चली आ रही हैं। पंजाब की जटिल स्थिति के कुछ मामले हरियाणा के हितों के साथ जटिलता से जुड़े हुए हैं और हमारा राज्य पंजाब की घटनाओं से अपने आपको पूरी तरह से अछूता नहीं रख सकता। पंजाब की घटनाओं का प्रभाव हरियाणा में भी हुआ। श्रीमति इन्दिरा गांधी की हत्या, होने पर हिंसा की कुछ घटनांए घटी। मुझे आपको यह बताते हुए खु ाी होती हैं कि इन घटनाओं पर बहुत जल्द और तेजी से काबू पा लिया गया और दोशी लोगों के विरुद्ध फौजदारी केस दर्ज किए गए। मेरी सरकार राज्य में परम्परागत साम्प्रदायिक सद्भाव, मैंत्री और भाान्ति की हर कीमत पर बनाए रखने के लिए कृतसंकल्प हैं। हम सब चाहेंगे कि पंजाब की समस्या आपसी वि वास और सद्भावना के वातावरण में सुलझाई जाये। मेरी सरकार अपनी भाक्ति के अनुसार यह सुनि चत करेगी कि हरियाणा के हित पूरी तरह सुरक्षित रहें।

8. ओलों की मार, भीत लहर बहुत थोड़ी और बेतरतीब बारि ाों ने 1984 के दौरान राज्य को प्रभावित किया। बदकिस्मती की यही बस नहीं हुई बल्कि 1984 के जून और जुलाई महीनों में भाखड़ा मुख्य नहर को लगातार दो बार तोड़े जाने के कारण सिरसा, हिसार और जीन्द में खरीफ की फसलों

को भारी नुकसान हुआ। यह राज्य के किसानों के धैर्य तथा लचीलेपन का प्रमाण हैं कि उन्होनें निरन्तर विपदाओं कि मार को अपने वि ाश्ट संयम से सहन किया। राज्य सरकार ने इन विपदाओं के कारण पैदा हुई किसानों की तकलीफों को कम करने के लिए तत्काल कदम उठाये और पीडितों को तुरन्त राहत पंहुचाई।

9. ओलो की मार , भीत लहर, बहुत थोड़ी और बेतरतीब बारि ाों ने 1984 के दौरान राज्य को प्रभावित किया। बदकिस्मती की यहीं बस नहीं हुई बल्कि 1984 के जून और जूलाई महीनों में भाखड़ा मुख्य नहर को लगातार दो बार तोड़े जाने के कारीण सिरसा, हिसार ओर जीन्द में खरीफ की फसलों को भारी नुकसान हुआ। यह राज्य के किसानों के धैर्य तथा लचीलेपन का प्रमाण हैं कि उन्होंनें निरन्तर विपदाओं की मार को अपने वि ाश्ट संयम से सहन किया। राज्य सरकार ने इन विपदाओं के कारण पैदा हुई किसानों की तकलीफों को कम करने के लिए तत्काल कदम उठायें और पीडितों को तुरन्त राहत पंहुचाई। कुछ जिलों में फसल को हानि पहुंचाने वाले कीड़े लग जाने के कारण रूपास की फसलों का भारी नुकसान हुआ। यहां सरकार ने जोतकर आबियाना माफ करने के अलावा तकावी और सहकारिता कर्जो की वसूली भी स्थगित कर दी हैं। इन फसलना ाक कीड़ो की रोकथाम के लिए केन्द्रीय सरकार ने 2.1 करोड़ रूपयों की सहायता दी हैं।

10. भाखड़ा मुख्य नहर के लगातार दो बार टूटने के कारण सिरसा, हिसार और जीन्द जिलों में पीने के और सिचाई के पानी की सप्लाई में रूकावट पड़ी। राज्य सरकार ने अवसर के अनुकूल तत्काल कदम उठायें और पीने के पानी की सप्लाई का प्रबन्ध करके तथा नलकूपों से पानी की सप्लाई बढ़ाकर तुरन्त राहत पहुंचाई। फसलों को बनाए रखने के लिए पि चमी यमुना नहर के पानी का रूख भी इन क्षेत्रो की और बदला गया हैं। केन्द्रीय सरकार ने राहत कार्यो के लिए 6.6 करोड़ रूपये मजू किय। रबी मौसम के दौरान रासायनिक खादों की कीमत में सहायता के तौर पर 3.2 करोड़ रूपयों की रा ि ा खर्च की गई हैं। इसके अतिरिक्त 2.1 करोड़ रूपये की व्यवस्था किसानों को कपास की फसल पर हवाई छिड़काव प्रभारों से छूट और सहकारिता क्षेत्र में फसल–कर्जो के प्रति आर्थिक सहायता के रूप में की गई।

11. अब मैं राज्य के विकास क्षेत्र में अपनी सरकार के कार्यक्रमों और उनके निश्पादन की चर्चा करूंगा। मेरी सरकार की बुनियादी कार्यनीति लगातार यही रही हैं कि विकास की गति को बढ़ाया जाये और गति ील विकास–वृद्धि के साथ–साथ न्यायपूर्ण एंव सही सामजिक व्यवस्था को सुनि ि चत किया जायें। राज्य की अर्थव्यवस्था निरन्तर वृद्धि ील हो रही हैं। मेरी सरकार अपने आर्थिक आधार के विविधीकरण पर जोर दे रही हैं ताकि अर्थ–व्यवस्थाओं को और लचीला तथा कुदरत की मनमानियों का

सामना करने योग्य बनाया जा सके। हमारी विकास कार्य नीति के प्रमुख अंग हैं: कृशि का विकास करना किसानों को प्रोत्साहन और खेती के उन्नत तरीकों के एकमु त प्रयोग के सही मिश्रण से खेती की पैदावर बढ़ानाः सिचाई तथा बितली की सुभाव्यताएं बढ़ाने के साथ–साथ ग्राम–योजक सड़को का और व्यापक सड़क परिवहन प्रणाली का जाल बिछांकर अर्थ–व्यवस्था के आधार और ढाचें को मजबूत करना; देहाती इलाकों में घरेलु उद्योगो का विकास करना; सेहत, ि ाक्षा और दूसरी सामजिक सेवाओं के कमजोर वर्गों का जीवन स्तर –ऊचा होः और भौक्षणिक तथा व्यावसायिक कार्यक्रमों को नया मोड़ देना ताकि मानवीय साधनों का अधिक प्रभावी उपयोग किया जा सके।

12. खराब मौसम के बावजूद 1983–84 के दौरान की अर्थ–व्यवस्था निरत्तर वृद्धि ील रही और इसमें पिछले वर्श से 2. 4 प्रति ात की वृद्धि हुई। वर्श 1983.84 में स्थाई मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय 1127 रूपये रही। वर्श 1984 में कीमतों का रूख बढ़ोत्तरी की और रहा।

13. वर्श 1984–85 छठी पंचवर्शीय योजना का अन्तिम वर्श हैं और सातवी पंचवर्शीय योजना अगले वित्त वर्श से चालू होगी। राज्य सराकर द्वारा बनाई गई सातवी पंचवर्शीय योजना के मार्गद र्क सि़द्धात हैं: वृद्धि, समता और समाजिक न्याय, उच्च कु ालता तथा उत्पादकता। इन सिद्धान्तों पर आधारित सातवीं पंचवर्शीय योजना की मुख्य वि ोशताए ये हैं

I. आयोजना का विकेन्द्रीकरण और विकास में जनता द्वारा पूरा भाग लेना;

II. अधिकतम सम्भव उत्पादक रोजगार पैदा करना;

III. निर्धनता को घटाना और अन्तर्वर्गीय, अन्तक्षेत्रीय तथा ग्रामीण एक नगरीय असमानताओं में कमी करना;

IV. सामजिक उपभोग वि ोशतः ि ाक्षा, स्वास्थ्य, पोशाहार, सफाई और आवास में उच्चतर स्तर;

V. छोटे परिवार के आद ार्ों को स्वेच्छा से अपनाने को तेज करना और महिलाओं के लिए आर्थिक और सामजिक गतिविधियों में सकारात्मक भूमिका;

VI. समूची अर्थ–व्यवस्था में संरचनात्मक गतिरोध और कमियों को घटाना औन उन्नत क्षमता–उपयोग तथा उत्पादकता;

VII. उद्योगों में कु ालता, आधुनिकीकरण और प्रतिस्पर्धा;

VIII. ऊर्जा का परिरक्षण तथा परम्परा–भिन्न ऊर्जा स्त्रोतों को प्रौन्नत करनाः तथा

IX. विकास, आयोजन की मुख्य धारा में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का एकीकरण, एवं पारिस्थितिक और पर्यावरणीय संरक्षण।

14. इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मेरी सरकार द्वासरीा सातवी पंचवर्शीय योजना में 3200 करोड़ रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया हैं। आगामी वर्श की वार्शिकी योजना के लिए 520 करोड़ रूपये का परिव्यय प्रस्तावित हैं। ये परिव्यय अस्थायी हैं और बहुत जल्द मेरी सरकार द्वारा योजना आयोग के साथ विचारविम र्ा के बाद इन्हें अन्तिम रुप दिया जायेगा। छठी पंचवर्शीय योजना के लिए मूलतः अनुमोदित 1800 करोड़ रूपये के परिव्यय के मुकाबिले में कुल वास्तविक खर्च1603.77 करोड़ रूपये होने की सम्भावना हैं। कृशि और सम्बद्ध सेवाओं, सहकारिता और उद्योग आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में खर्च मूल परिव्यय से बढ़ जायेगा। सिंचाई तथा बाढ़–नियन्त्रण की मदों में कमी मुख्य रुप से पंजाब में धीमी कार्यगति के कारण सतलुज–यमुना योजक नहर परियोजना के लए न्यूतर उपबन्ध के कारण हैं।

15. मेरी सरकार द्वारा 20 सूत्री कार्यक्रम जोरदार ढंग से चलाया जा रहा हैं। आर्थिक सहायता कार्यक्रम के अधीन 65,095 परिवारों, जिनमें 33 272 अनूसूचित जाति परिवार सम्मिलित हैं, ने चालू वर्श के पहले दस मास में लाभ उठाया हैं। राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के अधीन इस अवधि के दौरान 10.32 लाख श्रम –दिनों तक का रोजगार पैदा किया गया। अप्रैल,

1984 से जनवरी , 1985 तक 8418 नलकूपों को बिजली–चालित किया गया। अप्रैल, 1984 से जनवरी 1985 तक 8418 नलकूपों को बिजली चालित किया गया। चालू वर्श में जनवरी , 1985 के अन्त तक 574 समस्या–गांवों में पीने के पानी की सुविधा जुटाई गई और 5060 व्यक्तियों को घर बनाने के जगह दी गई। गन्दी बस्ती सुधार योजना के अर्न्तगत जनवरी , 1985 तक 90596 व्यक्ति लाभान्वित हुए। प्रारम्भिक ि ाक्षा को सर्वव्यापी बनाने के लिए दिसम्बर 1984 तक 20.78 लाख बच्चों के नाम दर्ज किए गए। ग्रामीण तथा भाहरी क्षेत्रों में आव यक वस्तुओं के उचित वितरण को सुनि ि चत करने के लिए अप्रैल, 1984 से जनवरी , 1985 तक 51 नई उचित मूल्य दूकानें खोली गई। 1985–86 के दौरान इस कार्यक्रम के लिए प्रस्तावित परिव्यय अस्थायी रूप से 380 करोड़ रूपये नियत किया गया है। 20 सूत्री कार्यक्रम को लागू करनले की ओर सरकार का ध्यान सब से अधिक सब से अधिक रहेगा।

16. मेरे लिए यह उचित होगा कि मैं बिजली–क्षेत्र के सन्दर्भ के साथ अपनी विकास–गतिविधियों का पुनरीक्षण भ्ाुरू कंरु क्योंकि यहज एक कोर सैक्टर हैं जिसमें बढिया कारकर्दगी अर्थ–व्यवस्था के चौमुखी विकास के लिए बहुत ही आव यक ही हैं। मेरी सरकार हरियाणा बिजली बोर्ड को पुनर्गठित करने और सप्राण बनाने के लिए कुछ मजबूत कदम उठाये हैं। इन कदमों से वाछिंत परिणाम भी मिलने लगे हैं। बिजली उत्पवादन काफी बढ़ गया हैं और प्लांट लोड फैक्टर जनवरी , 1985 में 41.7 प्रति ात

तक बढ़ गया हैं। फिर भी अभी कुछ कमी हैं और नई बिजली परियोजनाओं का निर्माण करना पड़ेगा। भविश्य में बिजली की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए योजना आयोग ने इस वर्श में दो नई परियोजनाओं का अनुमोदन किया हैं। ये हैं, यमुनानगर ताप बिजली परियोजना चरण–1, जिसमें प्रति यूनिट 210 मेंगावाट के दो यूनिट लगाए जायेंगे, तथा दादूपूर लघु–परियोजना, जिसमें 1.5 मेगावाट प्रति यूनिट के चार यूनिट लगायें जाएंगे। यह दूयरी परियोजना राज्य में अपने ढंग की पहली हैं। भारत सरकार के विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग की सहायता से गांव काकरोई में एक प्रयोगात्मक संकर लघु पनबिजली परियोजना करने पर भी विचार कर रही हैं। इस सम्बन्ध में उपयुक्त स्थान के लिए कोि ा ा जारी हैं।

17. इस वर्श के दौरान चालू परियोजनाओ मे और प्रगति हुई है प्रति यूनिट 110 मेगावाट वाले दो यूनिट पर आधरति पानीपत ताप परियोजना का दूसरा चरन 1985–86 मे चालू हो जायेगा। इस परियोजना के 2010 मेगावाट के एक यूनिट वाले तीसने चरण पर काम चल रहा है और यह 1987–88 से चालू हो जायेगां। पि चमी यमुना नहर पनबिजली परियोजना पर 8 मेगावाट प्रति यूनिट के दो यूनिटो वाले पहले बिजली घर पर काम काफी आगे बढ चुका है ओर यह बिजली घर 1985.86 को चालू हो जायेगा।

18. राज्य मे पारेशण प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए इस वर्श विभिन्न क्षमताओ वाले 14 ग्रिड सब स्टे ान चालू किये गये है। वर्श के अन्त तक एक और 220 कि. वा. दो 132 कि.वा.दो 66 कि.वा. और सात 33 कि. वा सब स्टे ानो के चालू होने जाने की आ ाा है हमे आ ाा है कि अगले वर्श मे विभिन्न क्षमताओ वाले 34 नए स्टे ान चालू हो जाएगे। इसके अतिरिक्त संगरौली सुपर ताप बिजली परियोजना से हरियाणा का हिस्सा प्राप्त करने के लिए अन्तर्राज्यीय लाईनो को चालू किया गया । राज्य बिजली बोर्ड क्षतिग्रस्त वितरण ट्रास्फर्मरो की मुरम्मत की और लगातार ध्यान देता रहा है इस वर्श के दौरान दो और ट्रासफार्मर मुरम्मत वर्क ााप नाननौल और रोहतक मे चालू किये गये जहा प्रति मास 150 ट्रासफार्मर ठीक किये जायेगे। 1985–86 के दोरान 80000 सामान्य , 4000 औधोगिक और 12000 नलकूप कनैक ान देने का कार्यक्रम है।

19. खेती उत्पादन मुख्यतः सिचाई सुविधाओ का निर्भर करता है इसिलए मेरी सरकार नै बढिया जल प्रबन्ध तरीको, जल सरंक्षण प्रौधेगिकी आदि जैसे उपयों द्वारा सिचाई साधनो के सुधार पर बहुत जोर दिया है अगले वर्श मे बडी ओर मध्यम सिचाई स्कीमो पर 117 करोड रूपये का योजना परिव्यय प्रस्तावित है इस समय सिचाई अधीन क्षेत्र 19.26 लाख हैक्टेयर है मेरी सरकार नहरों ओर रजवाहो को पक्का बनाकर और उनकी नियम कु ालता बढाकर इस प्रणाली को आधुनिक बनाने के यत्न

कर रही है दिसम्बर 1984 के अंत तक लगभग 350 मिलियन वर्गफुट जल मार्गो को पक्का कर दिया गया है और इस तरह से सिचाई के और अधिक विस्तार के लिए पानी को बहुत बडी मात्रा मे बचत हुंई । जवाहर लाल नेहरू तथा लोहारू उठान सिचाई योजनाओ पर काम चल रहा है और इनके मुकम्मल हो जाने पर 2.85 लाख हैक्टयर की अतिरिक्त सिचाई सभाव्यतांए बन जाएगी।

20. बाढ सुरक्षा कार्यो को नियमित रूप से किया जा रहा है और मसानी बाध पर काम सन्तोशजनक रूप से चल रहा है। नाला न0 8 की क्षमता को बढाया जा रहा है अब तक किये गये जो बाढ नियन्त्रण उपायो के फलस्वरूप 15 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की सुरक्षा की जा चुकी है सातवी पंचवर्शीय योजना मे प्रस्तावित बाढ नियन्त्रण योजनाओ से 2.5 लाख हैक्टयर क्षेत्र की और 1985. 86 मे 40 हजार हैक्टेयर क्षेत्र का बचाव किये जाने की व्यवस्था है।

21. मेरी सरकार से 20 सुत्री कार्यक्रम के अधीन निि चत लक्ष्यो को तेजी से प्राप्त कर सिचाई सभाव्यता को बढा लिया है। चालू वित वर्श मे 39 हजार हैक्टेयर तक की सभाव्यता बनाई जा रही है सातवी पंचवर्शीय योजना मे कुल सिचाई सभाव्यता 3.67 लाख हैक्टेयर तक बढाने का प्रस्ताव है।

22. मेरी सरकार ने केन्द्रीय सरकार की सहायता से पजाब क्षेत्र मे सतलूज यमुना योजक नहर के निर्माण कार्य की

प्रगति को तेज करने के लिए जोरदार कोि ा ाो की है केन्द्रीय जल आयोग इस परियोजना की वास्तविक और वितीय प्रगति का लगातार परिवीक्षण कर रहा है। इस की वजह से कार्यो के निश्पादन मे काफी प्रगति हुई है।

23. भाखडा मुख्य लाइन नहर के तोडे जाने के दौरान लघु सिचाई एवम नलकुप निगम ने 210 आवर्धन नलकूपो को चालू कर दिया जिससे 5 से 51 क्यूसैक तक के विभिन्न प्रवाहो वाले 16 राजवाहो को चलाना सम्भव हो सका और उससे क्षेत्र की पीने के पानी की आव यकताओ को पूरा करने के अतिरिक्त लगभग 175 गावों सिचाई सुविधाये बहाल की गई।

24. कृशि राज्य की अर्थ व्यवस्था का प्रधान क्षेत्र है और इस उच्चतम प्राथमिकता प्राप्त रही है मेरी सरकार अपेक्षित ढाचे इन्फास्ट्रक्चर के निमार्ण और कृशि उत्पादन को बढाने के लिए सुविधाए पैदा करके कुशि की और अधिक आधुनिक बनाने के लिए वचनबद्ध है। यधपि पहले उल्लिखित कारणो से कृशि उत्पादन को धक्का लगा परन्तु खरीफ के दौरान कुल मिलाकर खाधान्नो का उत्पादन 19.93 लाख टन तक पहुच गया। चावल का उत्पादन 13.56 लाख टन हुआ जो कि सर्वकालीन उच्च रिकार्ड है। खरीफ के दौरान हुई कमी को दूर करने के चालू रबी मौसम मे कदम उठाए गए है। यह प्रत्याि ात है कि 51.4 लाख टन रबी के खाधान्नों का उत्पादन लक्ष्य प्राप्त कर लिया जायेगा। इस प्रकार राज्य मे चालू वर्श के दौरान लगभग 71 लाख टन खाधान्न

उत्पादन की रिकार्ड फसल होने की सम्भावना है। यह विस्तार तन्त्र के कार्यजाल द्वारा किसानो को ठीक समय पर कृशि प्रौधेगिकी के पहुचाने सहित अपेक्षित निविश्टो की उपलब्धता को सुनि ि चत करने के लिए कदम उठाने से सम्भव हो सका है। आगामी वर्श के लिए खाधान्नो को सुनिनि चत करने के लिए कदम उठाने से सम्भव हो सका है। आगामी वर्श के लिए खाधान्नो के उत्पादन का लक्ष्य 75.1 लाख टन, गन्ने और तिलहनों का क्रम ाः 7.65 तथा 1.85 लाख टन और रूई का 8 लाख गाठे रख गया। इन लक्ष्यो की प्राप्ति अधिक उत्पादन देने वाली किस्मो के अधीन और अधिक क्षेत्र लाकर, प्रमाणित बीजों और उर्वरको का अधिक प्रयोग करके, पौध सरंक्षण के अधीन और अधिक क्षेत्र लाकर तथा कृशि कार्यो मे सुधार लाकर की जायेगी।

25. कृशको समुदाय को आय उत्पादन क्षमता बढाने मे मदद देने के लिये फसलो के बाये जाने के ढाचे का विविधीकरण किया जायेगा। वर्श 1985.86 के दौरान सधन सब्जी और फल उत्पादन परियोजना, जो कि सातवी योजना मे पहली बार चालू की जा रही है को लागू करके सब्जियो तथा फलों के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जायेगा।

26. कृशि विस्तार ढाचे को राज्य मे और अधिक मजबूत करने की दृश्टि से पहली जनवरी 1985 से एक नई कृशि विस्तार परियोजना चलाई जा रही है। जिसके लिए सातवी योजना के दौरान कुल 29.47 करोड रूपये का परिव्यय होगा। इसके

अतिरिक्त बाजरे फलो तथा सब्जियों की उत्पादकता मे सुधार लाने के लिए एक परियोजना 1985 की खरीफ के राज्य के 6 खण्डो मे लागू की जायेगी । ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतो को बढावा देने के लिए चालू वर्श मे 2500 बायो गैस संयत्र तथा आगामी वर्श मे इतने ही संयत्र लगाए जायेगे। हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड ने 1984–85 के दौरान 30 नये उपमण्डी प्रांगण स्थापित किए है और इसका 1985–86 मे चार नई मण्डी कमेटिया ओर 10 नए उप प्रांगण स्थापित करने का प्रस्ताव है

27. सरकार राज्य मे क्षेत्रीय असमानताओ के प्रति पूरी तरह सजग है। सूखा सम्भावी क्षेत्रो और मरू क्षेत्रो के विकास के लिए वि ोश ध्यान दिया जा रहा है। इस प्रयोजन के लिए 1985–86 मे 4.89 करोड रूपयों के परिव्यय का उपलब्ध किया गया है।

28. मेरी सरकार गरीब ग्रामीणो छोटे तथा सीमान्त किसानो खेतिहर मजदूरो, देहाती कारीगरो, ि ल्पकारो तथा अनुसूचित जातियों की आर्थिक स्थितियों सुधारने की आव यकता के प्रति सजग है उन्हे अपनी आमदनी मे कुछ वुद्धि कर लेने के योग्य बनाने के लिए राज्य के सभी खडो मे समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम चलाया गया है इस प्रयोजन के लिए अगले वर्श मे 11.98 करोड रूपये की रा ि ा रखी गई है। ताकि वर्श के दौरान राज्य हर एक खण्ड मे गरीबी की रेखा से नीचे निर्वाह करने वाले 950 परिवारो की सहायता की जाये। चालू वर्श मे इस

योजना के अधीन अनुसूचित जातियो के 27900 परिवारो सहित 55800 परिवारो की सहायता की जा रही है।

29. मेवात विकास बोर्ड ने अनेक योजनाये बनाई है ताकि इस क्षेत्र का तेजी से और सर्वतोमुखी विकास हो और राज्य मे अन्तर्क्षेत्रीय असमानताए कम की जा सके। पूर्ववर्ती वर्शा से सामान्य विकास कार्यक्रमो के अतिरिक्त लगभग 40 योजनाओ पर काम भुरू किया गया। सातवी पंचवर्शीय योजना मे 15.1 करोड रूपयों का परिव्यय प्रस्तावित है जिनमे 2.5 करोड रूपये वार्शिक योजना 1985–86 के लिए प्रस्तावित है।

30. मेरी सरकार द्धारा विकास के लिए तैयार की गई कार्यनीति मे कृशि से सम्बनिधत कार्यो का विकास भी भाामिल है। सातवी योजना मे प ु पालन के विभिन्न क्षेत्रो के किये जाने वाले कार्यो पर 25 करोड रूपयो के परिव्यय का प्रस्ताव है जिसमे से 3. 75 करोड रूपये 1985–86 की वार्शिक योजना के लिए आवटित है। सातवी पंचवर्शीय योजना मे दूध, ऊन तथा अण्डो के उत्पादन मे क्रम ाः 6,2 तथा 2 प्रति त की वार्शिक वृद्धि प्रस्तावित है सातवी योजना के अन्तिम वर्श के दौरान दूध की प्रति व्यक्तिक उपलब्धता 580 ग्राम हो जायेगी। प ु चिकित्सा स्वास्थय प्रबन्ध ओर प्रजनन सुविधाए जुटाने के लिए यह प्रस्ताव है कि 1985–86 मे 40 नए प ु औशधालय तथा एक पोलीक्लिनिक खोले जाये और 30 प ु औशधालयो को प ु चिकित्सालयो मे बदल दिया जाये और सातवी योजना के दौरान 200 प ु औशधालय, 6

पोलीक्लिनिक खोले जाये और 150 प ा औशधालयों को प ा चिकित्सालयों मे बदल दिया जाये। सातवी योजना के दौरान कमजोर वर्गा तथा अनूसूचित जातियों के 46 हजार परिवारों की सहायता किया जाना प्रस्तावित है ताकि वे आमदनी देने वाले प ापालन कार्य हाथ मे ले। यह सख्या 1985–86 मे 9200 होगी। वर्श 1985–86 मे 600 लघु डेरी यूनिटो की स्थापना का प्रस्ताव है।

31. किसानो की बढती हुई अच्छे मछली बीज की मांग को पूरा करने के लिए रोहतक जिले मे एक 10 हैक्टेयर का अतिरिक्त अण्डे सेने और मछली बीज का फार्म निर्माणधीन है। चालू वर्श मे भारत सरकार द्वारा महेन्द्रगढ और फरीदाबाद जिलो के लिए मछली पालक विकास अभिकरणो की स्वीकृति दी गई है। आ ाा की जाती है कि चालू वित वर्श के दौरान राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के अधीन 2.3 लाख श्रम दिनों का रोजगार पैदा किया जायेगा।

32. सहकारिताओ ने समाज के कमजोर वर्गो के उत्थान मे और ऋण के प्रवाह को सुप्रवाही बना कर, निविश्टो की सप्लाई करके और कृशि उत्पादन का विपणन करके कृशि उत्पादन को बढाने मे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्होने कृशि आधारित प्रोसेसिंग यूनिटे स्थापित करने, उपभोक्ता सामग्रियो की सप्लाई और दुग्ध डेरियो की वृद्धि मे भी सहायता की है। आ ाा की जाती है कि प्राथमिक सहकारी उधार और सेवा सोसाइटिया

सहकारी वर्श 1984–85 के दौरान 181 करोड रूपये के और 1985–86 के दौरान 200 करोड रूपये के ऋण देगी। प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैको द्धारा 1984–85 और 1985–86 मे क्रम ाः 50 करोड और 55 करोड रूपयो के ऋण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

33. हरियाणा राज्य सहकारी सप्लाई और विपणत संघ हैफैड द्धारा अपनी विपणन सोसाइटियों और कृशक सेवा केन्द्रो के माध्यम से 140 करोड रूपए और 145 करोड रूपए मूल्य के कृशि उत्पादो का क्रम ा चालू और आगामी वित वर्श के दौरान विपणन किए जाने की सम्भावना है। सातवी पचवर्शीय योजना के दौरान हैफेड की कुछ कृशि आधारित परियोजनाए जैसे जो माल्ट संयत्र, स्ट्रा बोर्ड यूनिट, फैटी एसिड सयत्र, लाड्री साबुन यूनिट और चावल की भूसी से ईट निमार्ण संयत्र स्थापित करने का प्रस्ताव है । सातवी पंचवर्शीय योजना के दौरान वि व बैक परियोजना के अधीन दो ओटाई एवम तेल निकालने के संयत्र ओर एक कताई मिल स्थापित करने का भी प्रस्ताव है।

34. छठी पंचवर्शीय योजना के दौरान भााहबाद, पलवल और जीन्द मे स्थापित तीन नई सहकारी चीनी मिलो के चालू गन्ना पिराई मौसम मे परीक्षण के तौर पर चालू किए जाने की सम्भावना है। सहकारिता क्षेत्र की सातवी पंचवर्शीय योजना के दौरान अनुसूचित जातियो के लिए वि ोश घटक योजना कुल परिव्यय की 20.7 प्रति ात अनुमानित है।

35. राश्ट्रीय वन नीति के अनुसार मैदानो मे कुल भौगोलिक क्षेत्र के 20 प्रति ता मे बने होने चाहिए। किन्तु हरियाणा मे यह क्षेत्र बहुत मामूली 3.8 प्रति ात है जो कि मुख्यत इसलिए है कि हम एक कृशि राज्य है। राज्य मे वन साधनों के विकास पर वि ोश बल दिया गया है ताकि क्षेत्र मे पारिस्थितिक सतूलन को बनाए रखा जा सके तथा ईधन, चारे व औधोगिक कच्चे माल की माग को पूर किया जा सके। चालू वर्श मे 10 करोड पौधे तैयार की जायेगी और कुल योजना खर्च 9 करोड रूपयो से अधिक होगा। मेरी सरकार 1985–86 मे वि व बैक की सहायता से 18,300 हैक्टेयर क्षेत्र को सामाजिक वानिकी कार्यक्रम के अधीन लाने की आ ाा रखती है सातवी पंचवर्शीय योजना मे खेत वानिकी पर बहुत जोर दिया गया है।

36. मेरी सरकार राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम पर जोर दे रही है जिसका उद्दे य है स्थायी सामुदायिक परिसम्पतियों का उपबन्ध करना तथा बुनियादी ग्रामीण ढाचे का सुदृढ करना। चालू वर्श के दौरान 3.86 करोड रूपयो की लागत से 10.38 लाख श्रम दिवासों का रोजगार पैदा होने की आ ाा है। अगले वर्श मे 14.97 लाख श्रम दिवसो का रोजगार उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारटी कार्यक्रम मे प्रत्येक गांव मे हर भूमिहीन परिवार से एक व्यक्ति को एक वर्श मे सौ दिनों तक के रोजगार की व्यवस्था की गई है।

37. राज्य मे पचायत समितियों के गठन की पूरी प्रक्रिया, महिला और अनूसूचति जातियो के सदस्यो के सहयोजन का कार्य, और अध्यक्षो तथा उपाध्यक्षो का चुनाव 15 मार्च, 1985 तक पूरा कर लिया जायेगा जो कि हमारी पंचायती राज सस्थाओ के एक महत्वपूर्ण स्तर के कार्य को लक्षित करता है।

38. हमारा राज्य खाधन्नों के केन्द्रीय भण्डारा के अत्यन्त महत्वपूर्ण अ ादाताओ मे से एक है। चालू वर्श के दौरान गेहू और चावल की जितनी वसूली हुई है उसने पुराने सभी रिकार्ड तोड दिये है। मेरी सरकार ने फैसला किया है कि राज्य मे खरीद केन्द्र इस प्रकार बनाए जाएगे कि किसी किसान को अपना फालतु उत्पादन बेचने के लिए दस किलोमीटर से ज्यादा दूर नही जाना पडेगा।

39. मिट्टी का तेर, गेहू, आटा, चीनी आदि आव यकता चीजो के उचित वितरण को सगठित कर और सुनि चत बनाकर उपभोग्ताओ के हितो का भी समान सरक्षण किया गया है उचित मूल्य दूकानो की योजना इस प्रकार से है कि किसी उपभोग्ता को आव यक चीजे लेने के लिए दो किलोमीटर से अधिक दूर न जाना पडे। उपभोग्ताओ की कठिनाईयो से सम्बन्धित सुझाव प्राप्त करने के लिए सूचनाओ के समेकन तथा परिवीक्षण के लिए एक उपभोग्ता सरक्षण कक्ष बनाया गया है। उपभोग्ताओ के हितों के सरक्षण तथा वितरण प्रबन्धो की निगरानी के लिए अपनाए जाने वाले उपायो के सम्बन्ध मे सरकार को

सहायता तथा सलाह देने के लिए ग्रामस्तर तक उपभोक्ता सरक्षण सलाहकार समितियों बना दी गई है। मेरी सरकार द्धारा उठाया गए अनेक निरोधात्मक तथा नियामक कदमो के परिणामस्वरूप कन्ट्रोल Iुदा आव यक चीजे उचित दामो पर मिल रही है।

40. औधोगिक विकास पर भी वि ोश बल दिया जा रहा है उदार प्रोत्साहन, सरचनात्मक सुविधाए तथा वितीय सहायता मिलने से औधोगिक वृद्धि नये ि ाखर छूने लगी है। राज्य मे एक रेलवे कोच फैक्टरी की स्थापना के लिए राज्य सरकार ने केन्द्रीय सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है। भारत इलैक्ट्रानिक्स लिमिटेड, पचकूला मे 21 करोड रूपये की लागत की एक दूर संचार परियोजना स्थापित कर रही है और करनाल के गिर्द 1300 करोड रूपयो की पूजीलागत से एक तेल भाोधक कारखाना स्थापित हो रहा हैं ग्रामीण उधोगो की योजना के अधीन यह प्रस्ताव है कि 1985–86 मे 2200 छोटी यूनिटो की स्थापना की जाए जिससे 8800 लोगो के लिए रोजगार मुहैया होगा। ि ाक्षित बेरोजगार यूवको के लिए स्व रोजगार अवसर जुटाने की योजना पर प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक रही है। राज्य सरकार ने भारत अन्तर्राश्ट्रीय व्यापार मेला 1984 मे भाग लिया और वहा हमारे मण्डप को एक प्र ांसा प्रमाण पत्र तथा मैडल प्राप्त हुआ।

41. क्षेत्रीय मानचित्रण तथा समन्वित खनिज स्त्रोत सर्वेक्षण के कामो मे दूर सवेदक प्रौधोगिकी के उपयोग करने का प्रस्ताव है। हरियाणा राज्य औधोगिक विकास निगम चालू वर्श मे

उधमकर्ताओ के लिए फरीदाबाद तथा गुडगाव मे भौड बनायेगा। औधोगिक सहायता ग्रुप द्वारा किए गए यत्नों के फलस्वरूप अनिवासी भारतीयो को अब तक 368 आ य पत्र दिये जा चुके है अगले वर्श मे दो हीट ट्रीटमैंट सैटर तथा औधोगिक विकास केन्द्रो की स्थापना का प्रस्ताव है।

42. राज्य सरकार राज्य मे इलैक्ट्रानिक्स के विकास को उच्च प्राथमिकता दे रही है और हरियाणा राज्य इलैक्ट्रानिक्स विकास निगम हरट्रोन इस विकास का मुख्य प्रेरक है। इसने कुछ फायदेमंद ढाचे का निर्माण किया है जिसमे सयुक्त राश्ट्र की सहायता से अम्बाला मे बनाया गया रिसर्च तथा विकास केन्द्र भाामिल है। गुडगावं मे एक इलैक्ट्रानिक काम्पलैक्स रूप ले रहा है जहा लगभग 500 इलैक्ट्रानिक तथा संबद्ध यूनिटे लग रही है उधोग की जरूरतो को पूरा करने के लिए यहा एक इलैक्ट्रानिक टैस्ट तथा विकास केन्द्र स्थापित किया गया है। सरकारी विभागो का तालमेल तथा सूचना का प्रवाह सुधारने के लिए हरट्रोन द्वारा कम्पयूटरो का जाल फैलाया जा रहा है। चण्डीगढ एवम अम्बाला मे विभिन्न कार्यालयो के लिए कम्प्यूटीकरण का काम भाुरू हो गया है अगले दो वर्शो मे राज्य के सभी जिलो के इसके अन्तर्गत आ जाने की आ ाा है गुडगाव, अम्बाला तथ पचकूला मे हरट्रोन द्वारा ग्रामीण लडकियों को इलैक्ट्रानिक्स के चुने हुए कार्यो करने के लिए गुडगाव मे आधुनिक सुविधाओ से युक्त इलैक्ट्रानिक नगर की योजना बनाई जा रही है। राज्य मे इलैक्ट्रानिक सामान का वार्शिक

उत्पादन वर्तमान 150 करोड रूपये से बढाकर सातवी योजना के अन्त तक 600 करोड रूपये तक करने की योजना है।

43. सौहार्दपूर्ण औधोगिक सम्बन्ध बनाए रखना भी अनिवार्य है ताकि औधोगिक वृद्धि मे रूकावट न आए। इस वर्श के दौरान राज्य मे औधोगिक सम्बन्ध सौहार्दपूर्ण रहे। अकु ाल औधोगिक कामगार की मजदूरी की निम्नतक दर पहली जनवरी 1985 से बढाकर 404.5 रूपये प्रतिमास कर दी गई है। बधुआ मजदूरों का पता लगाकर उनका पुनर्वास किया जा रहा है। भिवानी के 21 बधुआ मजदूरो परिवारो को राजस्थान से मुक्त किया गया। उन्हे नौकरियो दी गई है और उनके पुनर्वास के लिए प्रयास किए जा रहे है फरीदाबाद मे अन्य राज्यों के 114 बधुओ मजदूर परिवारो को मुक्त करवाया गया और पुनवार्स के लिए उनके राज्यों को भेजा गया । मेरी सरकार की 1985–86 के दौरान औधोगिक कामगारों के लिए कसौली और कटरा, वैश्वो देवी मे अवका ागृह बनाने की योजना है। सातवी पंचवर्शीय योजना के लिए योजना आयोग द्धारा 5 ग्रामीण मजदूर कल्याण केन्द्र स्थापित करने की एक योजना को अनुमोदित किया गया है। सातवी पंचवर्शीय योजना के अधीन एक औधोगिक स्वच्छता प्रयोग ाला का भी उपलब्ध किया जा रहा है।

44. समन्वित आर्थिक विकास को बढाने के लिए व्यक्तियो को सस्थगत उधार जुटाने के लिए सस्थागत वित और उधार नियत्रण विभाग विभिन्न गतिविधियो मे तालमेल कर रहा है।

हरियाणा मे ि ाक्षित बेरोजगार नवयुवको के लिए स्वरोजगार की योजना लागू करने के लिए 1984–85 मे 6300 लाभानुभोगियो का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जो कि विभिन्न आर्थिक उधमो के लिए 15.75 करोड रूपये के सस्थागत वित को आकर्शित करेगा। चालू वित वर्श के दौरान दो नये क्षेत्रिय ग्रामीण हिसार ओर अम्बाला मे खोले गए है इस प्रकार अब राज्य के नौ जिले क्षेत्रीय ग्रामीण बेको के कार्यक्षेत्र के अर्न्तगत आ गए है गुडगांव मे सुयक्त राश्ट्र विकास कार्यक्रम के सहयोग से इलैक्ट्रानिक्स और उच्च प्रौधोगिकी क्षेत्रो मे उधमकर्ता विकास के लिए एक सस्थाए की स्थापना की जा रही है।

45. मेरी सरकार ने मुख्यमत्री की अध्यक्षता मे राज्य के विकास के लिए विज्ञान और प्रौधोगिकी कार्यक्रम योजना बनाने और नीति निर्धारण करने के लिए एक विज्ञान एवम प्रौधीगिकी परिशद का गठन किया है। यह विभाग गैर परम्परगात ऊर्जा स्त्रोतो को लोकप्रिय बना रहा है। 1985–86 के लिए 75 लाख रूपए का परिव्यय प्रस्तावति है। ग्रामीण ऊर्जा आयोजन स्कीम का विस्तार राज्य के दो ओर खण्डो मे किया जायेगा। सातवी योजना की अवधि के दौरान राज्य मे तीन ऊर्जा ग्राम स्थापित करने का भी प्रस्ताव है।

46. ि ाक्षा किसी भी प्रगति ाील समाज की मूलभूत आव यकता है। मेरी सरकार भौक्षिक सुविधाए लोगो को सुलभ कराने के लिए कदम उठा रही है प्राथमिक, मिडल और

उच्च/उच्चतर माध्यमिक स्तरीय भौक्षिक सुविधाए क्रम ाः 1,2.2 और 2.85 किलोमीटर के घेरे मे उपलब्ध करवा दी गई हैं। मेरी सरकार ने 6–14 वर्श आयु वर्ग मे 85.5 प्रति ात भर्ती करने मे सफलता पाई है छात्राओ की भर्ती के लिए वि ोश प्रयत्न किये जा रहे है। सातवी पचवर्शीय योजना के दौरान 500 प्राथमिक पाठ ााला केवल लडकियो के लिए खौलने का प्रस्ताव है जिनमे से सौ आगामी वर्श मे खोली जाएगी । चालू वर्श मे 50 प्राथमिक पाठ ाालाए केवल लडकियो के लिए खोली गई है। इस अवधिक मे 99 प्राथमिक पाठ ाालाओ का दर्जा मिडल पाठ ाालाओ तक बढाया गया है ओर 93 मिडल पाठ ाालाओ का दर्जा उच्च विधालय तक बढाया गया है।

47. ि ाक्षा के सम्बन्ध मे राश्ट्रीय नीति का अनुसरण करते हुए राज्य सरकार ने राज्य मे दस जमा दो की ि ाक्ष प्रणाली अपना ली है। इस ि ाक्षा प्रणाली के अधीन कुछ चुनी हुई सस्थाओ मे व्यावसायिक कोर्स कोर्स पहले ही चालू कर दिए गए है। ओर 1985–86 के भौक्षणिक सत्र से 250 चुनी हुई सस्थाओ मे सामान्य कोर्स चालू किये जा रहे है। पांच चुने हुए स्कूलो मे कम्पयूटर ि ाक्षा के कार्यक्रम चलाए गए है। और 1985–86 मे इन्हे 25 स्कूलो तक और बढा दिया जायेगा।

48. स्त्रियो के लिए उच्चतर ि ाक्षा पर वि ोश ध्यान दिया जा रहा है गुडगाव के दो महाविधालयो मे से एक का कन्या

महाविधालय के रूप मे बदल दिया गया है चालू वित वर्श मे दो नए गैर सरकारी कन्या महाविधालय खोले गए है।

49. कुरूक्षेत्र मे राज्य पुरातत्व सग्रहालय की स्थापना का प्रस्ताव है और 1985–86 मे इस परियोजना पर काम भुरू करने के यत्न किये जा रहे है।

50. ि ाक्षा तथा अनु ाासन के एक साधन के रूप मे खेल कुद की और वि ोश ध्यान दिया जाता रहा है वर्श 1985 को अन्तर्राश्ट्रीय युवा के रूप मे मानय जा रहा है तथा युवक समारोहों आदि के आयोजन के लिए व्यापक कार्यक्रम बनाए गये है। करनाल मे हुआ आठवा राज्य खेलकुद समारोह बढा सफल रहा है।

51. युवाजनों के लिए स्व रोजगार के अवसर बढाने हेतु एक विकेन्द्रित रोजगार उत्पादन कार्यनिति अपना ली गई है। बेरोजगार लोगो को स्व रोजगार को अपने व्यव्साय के रूप मे अपनाने की प्ररेणा देने के लिए तथा विभिन्न एजेन्सियों से प्रोत्साहन व आर्थिक सहायता प्राप्त करने मे सहायता देने के लिए जिला जन भाक्ति आयोजन एवम रोजगार उत्पादन परिशदे बना दी गई है। ग्रामीण लोगो को रोजगार प्राप्त करने मे सहायता देने के लिए देहाती इलाको मे रोजगार केन्द्र खोले जा रहे है। चालू वश्र मे ऐसे दो केन्द्र कलानौर और पुण्डरी मे खोले गए है। रोजगार केन्द्रो के काम काज की जांच के लिए 1985 मे एक निरीक्षण तथा जांच यूनिट बनाया जा रहा है अनुसूचित जातियों के लोगो को

व्यावसायिक प्र ि ाक्षण देने के लिए एक कौचिग तथा गाईडेन्स सेटर बनाया जाता है व्यावसायिक मार्गद र्ान के कार्यक्रम की मजबूत बनाने के लिए एक मनोवैज्ञानिक परीक्षण विकास तथा परीक्षण यूनिट की स्थापना का प्रस्ताव है।

52. पाच हजार लोगो के लिए एक उप केन्द्र तथा 30 हजार लोगो के लिए एक सहायक स्वास्थय केन्द्र खोलकर लोगो के घरो के समीप उनके लिए चिकित्सा तथा सेहत सम्भाल सुविधाओ का विकास करने, फैलाने और उनमे सुधार लाने के लिए मेरी सरकार लगातार प्रयत्न करती रही है। छठी पचवर्शीय योजना की समाप्ति तक 1600 उपकेन्द्र खोले दिये जायेग। इस अवधि मे 28 सहायक स्वास्थय केन्द्र खोले गये। परिवार कल्याण कार्यक्रम को स्वैच्छिक जन आन्दोलन के रूप मे चलाया जा रहा है केन्द्रीय सरकार ने 1983–84 मे परिवार नियोजन के लिए राज्य को एक करोड रूपए का पुरस्कार प्रदान किया।

53. मेरी सरकार ने दवाओ के दे ाी तरीको से भी चिकित्सा सविधाओ के सुधार और विस्तार के लिए निरनतर यत्न किए है अनूसूचित जाति घटक योजना के अधीन 1984–85 मे 20 आयूवैदिक औशधालय खोलने का एक प्रस्ताव है अगले वर्श के लिए 55 लाख रूपयो के परिव्यय का प्रस्ताव है।

54. मेरी सरकार द्वारा 1984–85 में 27.62 करोड़ रूपयों के परिव्यय से 800 गांवों में पीने के पानी की सप्लाई का

प्रस्ताव हैं। इस तरह छठी पंचवशीय योजना के अन्त तक केवल 1318 गांव ऐसे रह जायेंगे जहां पानी की सप्लाई नहीं होगी। सातवीं योजना के पहले दो वर्शों में 60.56 करोड़ रूपयों की अनुमानित होगी। सातवी योजना के पहले दो वर्शो में 60.56 करोड़ रूपयों की अनुमानित लागत से इन गांवो में भी यह सुविधा पहुंचा देने का प्रस्ताव हैं। वर्श 1985.86 के दौरान 30 करोड़ रूपयों की अनुमानित लागत से 500 गांवों में पीने का पानी की सुविधा जुटा दी जाएगी। आगामी वर्श के दौरान भाहरी इलाकों में पानी की सप्लाई तथा मल–निकास योजनाओं के लिए 3.98 करोड़ रूपयों की रा ि ा रखी गई हैं।

55. सड़के विकास की धमनियां हैं और चालू वर्श के अन्त तक राज्य के 98 प्रति ात गांवो को पक्की सड़कों से जोड़ दिया जाएगा। आ ाा हैं कि 1985–86 के दौरान 200 किलोमीटर तथा सातवीं पंचवर्शीय योजना के अन्तर्ग 1780 किलोमीटर सड़के पक्की कर दी जायेंगी।

56.पर्यटकों की सेवो के लिए हरियाणा पर्यटन निरंतर विकास कर रहा हैं। राजमार्गो पर वर्तमान पर्यटक कॉप्लैक्स का विस्तार करने के अतिरिक्त कैथल तथा यमुनानगर में दो नए कांप्लैक्स खोले गए हैं। अम्बाला पर्यटक कॉम्लैक्स पर काम चल रहा हैं और नरवाना तथा बहादूरगढ़ कॉम्लैक्स का काम भी हाथ में ले लिया जाएगा।

57. मेरी सरकार स्त्रियों, बच्चों, विकलागों, निर्धनों आदि के कल्याण कार्यक्रमों पर बल देती आ रही हैं। आ ाा हैं कि इस कार्य के लिए सातवीं पंचवर्शीय योजना में 34.73 करोड़ रूपयों का योजना आवंटन होगा जिसमें से 5.66 के दौरान पच्चीस सघन बाल विकास योजनांए चालू करने का प्रस्ताव हैं जिनमें से चार 1985–86 में भाुरू कर दी जायेंगी। आ ाा हैं कि नौकरी पे ाा महिलाओं के लिए सात होस्टल 1985 में मुकम्मल हो जायेंगे। ऐसे होस्टल खण्ड स्तर पर बनाने का प्रस्ताव भी हैं।

58. मेरी सरकार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गो और विमुक्त जातियों के उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं उनके भौक्षिक, आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए बहुत से कार्यक्रम चालू किए गए हैं। उनके उत्थान के लिए उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए सरकार 1985–86 के दौरान उनके लिए गृह निर्माण पर 39 लाख रूपए खर्च करेंगी। हरिजन बस्तियों के पर्यावरण सुधार पर 25 लाख रूपए की और राि ा खर्च की जाएगी। सरकार 1985–86 के दौरान अनुसूचित जातियों के छात्रों की भौक्षिक उन्नति के लिए 1.53 करोड़ रूपए की लागत से विभिन्न योजनांए आरम्भ करने जा रही हैं। सातवीं योजना की आवधि के दौरान राज्य के सभी जिलों में परीक्षापूर्व प्रि ाक्षण देंगे। ये अनुसूचित जाति छात्रों की व्यवसायिक प्रि ाक्षण केन्द्रो के विस्तार का प्रस्ताव हैं। ये दिसम्बर 1984 तक विभिन्न योजनाओं के अधीन 28520 अनुसूचित जाति–परिवारों अधीन 1725

परिवारों को सहायता पहुंचाई जाएगी। अनुसूचित जातियों, पिछड़ी श्रेणियों और आर्थिक दृश्टि से कमजोर वर्गो के व्यक्तियों को घर बनाने के लिए दिए गए प्लाटों के सम्बन्ध में उन द्वारा हरियाणा आवास बोर्ड के पक्ष में निश्पन्न किए जाने वाले करारनामों और रेहननामों पर स्टाम्प भाुल्क तथा रजिस्ट्री भाुल्क से छूट दी गई हैं।

59. सातवीं पंचवर्शीय योजना–प्रारुप में प्रस्तावित 3200 करोड़ रूपये के परिव्यय में से 198.23 करोड़ रूपए अनूसूचित जातियों के लिए वि ोश घटक योजना के लिए होंगे। वार्शिक योजना 1985–86 में 33.05 करोड़ रूपए वि ोश घटक योजना के लिए होंगे।

60. राज्य सरकार अल्पसंख्यक समुदायों की समस्याओं की और वि ोश ध्यान दे रही हैं। राज्य सरकार के विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों को हिदायतें जारी की गई हैं कि वे भर्ती के लिए अल्पसंख्यक समुदायों पर वि ोश ध्यान दें और सार्वजनिक निकायों, बोंडो और निगमों के लिए नामांकन प्रायोजित करते हुए इनके हितों को ध्यान में रखे। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अल्पसंख्यक समुदायों के कमजोर वर्गो की सहायता के लिए अनु ाक्षण कक्षांए आरम्भ करने का प्रस्ताव हैं। ये कक्षाएं कुरुक्षेत्र और रोहतक वि वविद्यालयों में खोली जायेंगी जिन्होंनें इस सम्बन्ध में अपने प्रस्ताव अनुमोदनार्थ वि वविद्यालय अनुदान आयोग को भेजे हुए हैं।

61. हरियाणा आवास बोर्ड चालू वर्श के दौरान भाहरी क्षेत्रों में 3000 से अधिक मकानों का निर्माण करेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में 800 से अधिक मकान बनाए जाएंगे। आर्थिक दृश्टि से कमजोर वर्गो और निम्न आय वर्गो के लिए चालू वर्श के दौरान 2300 मकानों का निर्माण किया जाएगा।

62. हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण राज्य में भाहरी क्षेत्रों का ठीक ढंग से विकास कर रहा हैं। जगाधरी, यमुनानगर तथा कैथल में भीघ्र ही भाहरी सम्पदाओं की स्थपना की जाएगी। भाहरीकरण के प्रयोजन के लिए अर्जित भूमि का किसानों को मुआवजा देने की प्रणाली में सुधार किया जा रहा हैं ताकि उन्हें वर्तमान बाजार भाव पर कृशि भूमि का उचित मूल्य दिया जा सके।

63. प्र ाासकीय सुविधा और अन्य विभिन्न बातों को ध्यान में रखते हुए फरीदाबाद, घरौंडा और भूना में तीन नई तहसीलें चालू वर्श में बनाई गई हैं। इस अवधि के दौरान एक उप खजाना खोला गया हैं और 7 नए उप खजाने खोलने का प्रस्ताव हैं।

64. कुछ छुटपुट साम्प्रदायिक हिंसात्मक घटनाओं, जिन पर तुरन्त काबू पा लिया गया, को छोड़कर राज्य में चालू वर्श के दौरान समूचे तौर पर आपराधिक तथा कानून एंव व्यवस्था की स्थिति संतोशजनक और पूर्ण नियन्त्रण में रही।

65. मेरी सरकार राज्य में भूतपूर्व सैनिकों के बड़ें तथा वि ाि श्ट वर्ग के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए वचनबद्ध हैं। प्रथम अप्रैल, 1984 से 65 वर्श से ऊपर की आयु के भूतपूर्व सैनिकों को 100 रुपए प्रतिमास की वित्तीय सहायता दी गई हैं। सैनिक बोर्ड संगठनों का पुनर्गठन किया जा चुका हैं। इन पगों को उठाने में हरियाणा दे ा का सर्वप्रथम राज्य हैं। भूतपूर्व सैनिक उद्यमकर्ता तथा सेनाकर्मचारियों की कुछ अन्य श्रेणियां वित्तीय संस्थानों से लिए गए 50 हजार रूपए तक के कर्जो पर 7 प्रति ात से ऊपर की ब्याज–दरों पर आर्थिक सहायता ले सकती हैं। युद्ध–विधवाओं के बच्चों की आव यकता–पूर्ति के लिए झज्जर में एक सैनिक परिवार भजन खोला जाएगा। मेरी सरकार ने राज्य में एक और सैनिक स्कूल खोलने का निर्णय लिया हैं। भाौर्य पुरस्कार विजेताओ को भूमि के बदले में वित्तीय अनुदान देने में भी हरियाणा सरकार दे ा में सर्व–प्रथम हैं। मेरी सरकार ने वर्तमान कानूनों में सं ाोधन भी किए हैं ताकि भूतपूर्व सैनिक अपनी भूमि पर वहां से उठाए गए मुजारों को अतिरिक्त भूमि पर सरकार द्वारा पुनः आबाद करने के उत्तरदायित्व के बिना ही बस सकें। अपने व्यक्तिगत उद्यमों के लिए 31 जनवरी 1985 तक 8344 भूतपूर्व सैनिकों को 7.87 करोड़ रूपए के बैंक कर्जे दिए जा चुके हैं।

66. मैंने समाप्त हो राहे वर्श के दौरान अपनी सरकार की मुख्य उपलबिधयों की रुपरेखा तथा भविश्य के इसके कार्यक्रमों

का संक्षिप्त आपको दिया हैं। मुझे वि वास हैं कि अपने लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए मेरी सरकार के प्रयत्न फलीभूत होंगे तथा ये हमारे राज्य का समाजिक तथा आर्थिक कायाकल्प करेंगे। आइए, राज्य के विकास को बढ़ाने तथा दलित एव निर्धन लोगों की हालात को सुधारने के कार्य के प्रति अपने आपको पुनः समर्पित करें। मुझे वि वास हैं कि आपको विचार– चर्चाओं के फलस्वरुप राज्य में समाजिक न्याय के साथ–साथ और अधिक समृद्धि होगी। मैं इस कार्य में आपकी पूर्ण सफलता की कामना करता हूं।

जय हिन्द

अध्यक्ष द्वारा घोशणा

(i)सदस्यों द्वारा त्यागपत्र

श्री अध्यक्षः मेम्बर साहिबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैंस के रूल 58 के अनुसार मुझे हाउस को इन्फार्म करना हैं कि सर्वश्री हरपाल सिंह, वीरेन्द्र सिंह तथा रहीम खां ने दिनांक 1 जनवरी, 1985 के अपने पत्रों द्वारा हरियाणा विधान सभा में अपने स्थानों से त्याग पत्र दिया हैं।

(ii)पैनल आफ चेयरमैन

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहिबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कडंक्ट आफ बिजनैस के रूल 13 के अनुसार मैं फालोइंग मेम्बर साहिबान को पैनल आफ चेयरमैन में काम करने के लिए नोमिनेट करता हूं।

1. श्री ए0 सी 0 चौधरी

2. श्री इन्द्र सिंह नैन

3. श्री रो ान लाल आर्य

4. डा0 भीम सिंह दहिया

(iii) कमेटी आन पैटी ान्ज

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहिबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट बिजनैस के रूल 286 (1) के अनुसार मैं फालोइंग मैंम्बर्ज को कमेटी आन पैटी ान्ज में काम करने के लिए नोमिनेट करता हूं–

1. चौधरी वेद पाल, उपाध्यक्ष, पदेन सभापति

2. श्री बलवीर सिंह ग्रेवाल

3. श्री धर्मबीर गाबा

4. श्री निर्मल सिंह

5. श्री रो ान लाल आर्य

सचिव द्वारा घोशणा

श्री अध्यक्षः मेम्बर साहिबान, अब सैक्रेटरी साहब कुछ अनाऊंसमेंट करेंगे।

(i) कांस्टीट्यू ान (53 वां अमैंडमैंट) बिल, 1984 की रैटीफिके ान सम्बन्धी

Secretary: Sir, I beg to lay on the Tabel of the House a copy erach of the following documents received from the Council of States regarding the ratification of the Constitution (Fifty-third Amendment) Bill, 1984:-

(i) Letter dated the 18th September, 1984, receved from the Secretary General, Rajya Sabha, New Delhi;

(ii) The Constitution (Fifty-third Amendment) Bill, 1984 (English and Hindiversions), as introduced in the Houses of people;

(iii) The Constitution (Fifty-third Amendment) Bill, 1984 (English and Hindi versions), as introduced in the House of Parliament;

(iv) Lok Sabha Debate on the Constitution (Fifty-third Amendment) Bill, 1984; and

(v) Rajya Sabha Debate on the Constitution (Fifty-third Amendment) Bill, 1984.

(ii) राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों सम्बन्धी

Secretary: Sir, I also beg to lay on the Table of the House a statement showing the Bills which were passed by the Haryana Legislative Assembly during its sessions held in March-April, 1984 and September, 1984 and have since been assented to by the *President/Governor.

Statement

March-April Session, 1984

*The Haryana Co-operative Societies Bill, 1984.

September Session, 1984

1. The Haryana Private Colleges (Taking Over of management Amendment Bill, 1984.

2. The Punjab Security of Land Tenures (Haryana Amendment) Bill, 1984.

3. The Pepsu Tenancy and Agricultural Lands (Haryana Amendment) Bill, 1984

4. The Haryana Urban Development Authority (Second Amendment) Bill, 1984.

5. The Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1984.

6. The Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 1984.

7. The Haryana Appropriation (No.6) Bill, 1984.

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट

श्री अध्यक्षः मैं अब वेरियस बिजनैस के बारें में बिजनैस एडवाइजरी कमेटी द्वारा फिक्स किया गया टाईम टेबल रिर्पोट करता हूं।

"The Committee met at 9.00 A.M. on Wednesday, the 6th March, 1985, in the Chamber of the Hon. Speaker.

The Committee recommended that unle3ss the Speaker otherwise direst, the Assembly, whgilst in Session, shall meet on Monday at Thursday and Friday at 9.30 A.M. and adjourn at 1.30 P.M. without question being put.

The Committee, after some discussion, also recommended that the Business on 6th, 11th, to 15th March,1985] 18th to 22nd March, 1985 and 25th March, 1985 tp 29th March, 1985 be transacted by the Sabha as follows:-

	S.No	
The House will meet Half an Hour after the conclusion of the Governor's Address on the 6th March, 1985	1	Obituray references.
	2	Laying of a copy of the Governor's Address on the Table of the House

	3	Presentation and adoption of the First Report of the Business Advisory Committee.
	4	Papers to be laid/re-laid on the Table of the House
	5	Presentation of Preliminary Reports of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of the final reports theron.
Monday, the 11th March, 1985 (2.00 P.M.)	1	Oath/affirmation by newly elected members.
	2	Questions Hour.
	3	Discussion on Governor's Address.
Tuesday, the 12th March 1985 (9.30 A.M.)	1	Question Hours.
	2	Resumption of discussion on Governor's Address.
Wednesday, the 13th March 1985 (9.30 A.M.)	1	Question Hours

	2	Presentation of Supplementary Estimates (Second Instalment) 1984-85 and the report of the Estimates Committee thereon.
	3	Resumption of discussion on Governor's Address.
Thursday, the 14th March 1985 (9.30 A.M.)	1	Question Hours.
	2	Non-Official Business.
Friday, the 15th March 1985 (9.30 A.M.)	1	Question Hours.
	2	Resumption of discussion on Governor's Address and votin o0n Moti9on of Thanks.
Saturday, the 16th March, 1985		OFF DAY
Sunday, the 17th March, 1985		HOLIDAY
Monday, the 18th March, 1985 (2.00 P.M)	1	Question Hour.
	2	Paperws to be laid/re-laid on the Table of the House, if any

	3	Discussion and voting on Supplementary Estimates (Second Instalment) for the year 1984-85
Tuesday, the 19th March, 1985 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Haryana Appropriation Bill 1985 in respect of Supplementary Estimares (Second Instalment)
	3	Official Resolution.
Wednesday, the 20th March, 1985 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Presentation of Budget for the year 1985-86
Thursday, the 21th March, 1985 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Non-Official Business.
Friday, the 19th March, 1985 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Leave to introduce/introduction of Government Bills.
	3	General discussion on Budget for

		the year 1985-86
Saturday, the 23rd March, 1985		OFF DAY
Sunday, the 24th March, 1985		HOLIDAY
Monday, the 25th March, 1985 (2.00 P.M.)	1	Question Hour
	2	Resumption of general discussion on Budget fot teh year1985-86 and reply by the Finance Minister.
Tuesday, the 26th March, 1985 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Discussion and voting on Demands for grants on Budget.
Wednesday, the 27th March, 1985 (9.30 A.M.)	1	Question Hour
	2	Discussion and voting on Demands for grants on Budget.
Thursday, the 28th March, 1985 (9.30	1	Question Hour.

A.M.)		
	2	Non-official Business
Friday, the 19th March, 1985 (9.30 A.M.)	1	Question Hour.
	2	Motion under rule 15 regarding non-stop sitting.
	3	Motion under rule 16 regarding adjournment of the Sabha Sinedie.
	4	Presentation of reports of the Assembly Committees.
	5	Haryana Appropriation Bill, 1985 in respect of Budget.
	6	Legislative Business.
	7	Other Business, if any."

अब पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर यह प्रस्ताव करेंगे कि यह हाउस बिजनेस ऐडवाजरी कमेटी की फर्स्ट रिर्पोट में दी गई रिकामैंडे ान्ज से सहमति प्रकट करता है।

श्रीमति चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, चूंकि मैं कुछ कारणव ा बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की मिटिंग में आ नहीं सकी

थी, इसलिए अब निवदन करना चाहती हूं कि हाउस की सीटिग्ज कुछ बढ़नी चाहिए।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब ने दो सीटिंग्ज बढ़वाई हैं। गवर्नमैंट की प्रोपोजल तो 27 तारीख तक सै ान करने को ही थी। अब सै ान 29 मार्च तक होगा।

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Speaker, Sir, I beg ot move-

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisroy Committee.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इन्होंने जो ओफिसियल रैजोल्यू ान लाना हैं, उसे भी ये हाउस में ले आएं, हम उसे देखना चाहते हैं। पता नहीं इन्होनें हरियाणा को बांटने काही कोई प्रोग्राम बनाया हो। ये हर रासेज नए नए भागूफे छोड़ देते हैं। (हंसी)

श्री अध्यक्षः वह प्रान्त हरियाणा से बहुत दूर हैं जिसके बारे में वह रैजोल्यू ान आ रहा हैं।

श्री मंगल सैनः क्या उस प्रान्त को हरियाणा से जोड़ रहे हैं?

श्री अध्यक्षः वैसे तो सारा दे ा पुड़ा हुआ हैं।

श्री मंगल सैनः जुड़ा हुआ कहां हैं? ये तो दे ा को काट रहे हैं।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ

कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाइजरी क4मेटी की फर्स्ट रिर्पोट में दी गई रिकोमैंडे ान्ज से सहमति प्रकट करता हैं।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं–

कि यह हाउस बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई रिकोमैंडे ान्ज से सहमति प्रकट करता हैं।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सदन के मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज पत्र

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब टेबल ऑफ दि हाउस पवर पेपर्ज ले/री–ले करेंगे।

Irrigation & Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to lay on the Table-

1. The Punjab Panchayat Samitis (Haryana Amendment) Ordinance.1984 (Haryana Ordinance No. 8 of 1984).

2. The Transport Deparment Notification No. Go.S.R. 44/C.A. 4/39/S. 24/84, dated the 31st May, 1984 regarding the Punjab Motor vehicles (Haryana First

Amendment) Rules, 1984, as required uder section 133(3) of the Punjab Motor Vehicles Act, 1939.

3. The Transport Deparment Notification No. G.S.R. 60/C.A. 4/39/s 91/84, dated the 24th August, 1984, as required under section 133(3) of the Punjab Motor Vehilces Act 1939.

4. The Transport Department Notification No. G.S.R. 60/C.A. 4/39/s.91/84/.dated the 18th December, 1984 regarding the Punjab Motor Accidents Claims Tribunal (Haryuana First Amendment) Rules, 1984 as required under section 133(3) of the P)unjab Motor Vehilles Act, 1939

5. The Transport Deparment Notification No. S. O. 10/C.A. 4/39S.44/85 dated the 18th January, 1985 as required under section 133(3) of the Punjab Motor Vehicles Act,1939.

6. The Fifth Annual Report and Accounts fot the year 1980-81 of the Haryana State Hardloom and Hanicrafts Corportion Ltd. as required under section 619-A of the Companies Act, 1956.

7. The Sixth Annual Report and Accounts for the year 1981-82 of the Haryana State Handloom and Handicrafts Corporation Ltd. As required under section 619-A of the Companies Act, 1956.

Sir, I beg to re-lay on the Table-

1. The General Administration Department Notification No. G.S.R. 39/ H.A.9/79/S. 8/84 dated the 24th May, 1984, regarding the Haryana Legislative Assembly

(Facilities to Members) First Amendment Rules, 1984, as reuuired under section 8(3) of the Haryana Legilative Assembly (Facilities to members) Act. 1979 alongwith its Corrigendum, dated the 10th July, 1984.

2. The General Administration Department Notification No. G.S.R. 40/ H.A. 2/79/S. 8/84, dated the 24th May, 1984 regarding the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's (Advance for Motor-Car) First Amendment Rules. 1984 as requied under section 8 (2) of the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances Act , 1975.

3. The General Administration Department Notificatio No. G.S.R. 53/H.A.3/1970/S.8/84, dated the 5th July, 1984, regarding the Har4yana Ministers Travelling Allowance (First Amendment) Rules. 1984. as required under section 9(2) of the Haryana salaries and Allowances of Ministers Act. 1970.

4. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 29/H.A 20/73/S. 64/Amd.(1) 84 dated the 30th March, 1984, regarding the haryana General sales Tax (First Amendment) Rules 1984 as required under section 64(3 of the Haryana Gereral Sales Tax Act, 1973.

5. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 56/H.A.20/73/S.64/Amd.(2) 84. dated the 24th July, 1984 regarding the Haryana General Sales Tax (Second Amendment) Rules, 1984 as required under section64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामलों सम्बन्धी प्रिविलेजिज कमेटी प्रिलिमिनरी रिर्पोट पे ा करना तथा अन्तिम रिर्पोट पे ा करने के लिए समय बढ़ाना

(i) 24—5—1982 को राज भवन में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल प्रयोग करने के लिए चौधरी देवी लाल, एम0 एल0 ए0 के विरूद्ध।

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्र सिंह नैन, एम0 एल0 ए0 चेयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी 24 मई, 1982 को राज भवन में चौधरी देवी लाल, एम0 एल0 ए0 द्वारा गवर्नर आफ हरियाणा की इंसल्ट, ऐब्यूज एंड मैन हैंडलिंग के इ ू पर कमेटी की सिक्सथ प्रिलिमिनरी रिर्पोट प्रेजैंट करेंगे।

Shri Inder Singh Nain (Chairman, Commiottee of Privileges): Sir, I beg to preset the Sixth Preliminary Report of the Committee of privileges on the matter in regrad Devi Lal, M.L.A. for alleged insulting, abusing and man-handling the Governor of Haryana in Raj Bhawan on the 24th May, 1982.

Sir, I also beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—

कि कमेटी की फाईनल रिर्पोट प्रेजैंट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जाए।

श्रीमति चन्द्रावती (बाढड़ा): स्पीकर साहब, इस रिपोर्ट के बारे में तो मैं यह कहना चाहूंगी कि इन्होंनें यह एक ड्रामा खड़ा कर रखा हैं। इस बात को हुए लगभग तीन साल हो गए हैं। इस इ ाू को अब खत्म किया जाना चाहिए। चौधरी देवी लाल जी इस हाउस के माननीय सदस्य हैं। इस तरह से इस मामले को लटाकए जाने के बारे में मैं समझती हूं कि न तो कोई कंवै ान हैं और न ही जरूरत हैं। मैं हर सै ान में इस बारे में अपने विचार प्रकट करती हूं कि यह बहुत गलत रिवायत और कन्वैं ान हैं। यदि हम इस तरह से एक माननीय सदस्य के बारे में बिना किसी बात के ऐक ान लिए जाने की प्रथा डालेंगे तो यह हाउस के माननीय सदस्यों के लिए मान की बात नहीं हैं बल्कि बेइज्जतदी की बात हैं। इन भाब्दों के साथ, अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा हाउस से यह रिक्वैस्ट हैं कि इस इ ाू को खत्म कर दिया जाना चाहिए।

श्री मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान यह हैं कि सन् 1982 में हरियाणा के राज्यपाल आदरणीय तपासे महोदय थे। उस टाईम पर चौधरी भजन लाल जी को चौधरी देवी लाल के बारे में यह ि ाकायत हो गई कि उन्होंनें राज्यपाल महोदय के साथ बर्ताब अच्छज्ञ नहीं किया, ि ाश्टता का बर्ताव नहीं किया जो कि एक राज्यपाल के साथ करना चाहिए था।

चौधरी भ्जन लाल जी ने अपने सदस्यों के थ्रू चौधरी देवी लाल जी के खिलाफ प्रिविलेज मो ान हाउस में दिला दी । आज भी वे एक कच्चे धागे से लटके खड़े हैं क्योंकि यह पता नहीं हैं कि उसका असर कब होता हैं। इसका मतलब यह हुआ कि जस्टिस डिलेड इज जस्टिस डिनाईड। यह मामला बहुत लम्बा हो गया हैं। आज इस मामले को हुए तीन साल हो गये यानी सन् 1982 से 1985 हो गया हैं। राज्यपाल महोदय यहां से चले गये हैं लेकिन सन् 1982 से 1985 हो गया हैं। राज्यपाल महोदय यहां से चले गये हैं लेकिन यह मामला फिर भी यहीं लटका हुआ हैं। वे वहां पर आराम फरमा रहे हैं लेकिन यहां पर उनके बारे में जिक्र करके तो उनकी आत्मा को कश्ट देने वाली बात हैं। के वहां बैठे सोचते होंगे कि मेरा नाम रोज घ्सीटा जा रहा हैं। स्पीकर साहब इन गुड टेस्ट अगर मुख्य मन्त्री जी इस मामले के बारे में यहा हाउस में खड़े हो कर यह कह दें कि ड्रौप करते हैं तो मैं उन्हें बधाई दूंगा कि उन्होंनें कुछ फराखदिली दिखाई हैं। (विघ्न)

स्पीकर साहब मैं यही निवेदन करना चाहता हूं कि डेमोक्रेसी में कुछ हाईट्रेडि ान्ज रखनी चाहिए। अब तो इन्होनें अच्छी नीति अपनाई हैं। इनके नेता श्रीमान राजीव गांधी जी बहुत अच्छी–अच्छी बातें कर रहे हैं। एन्टी डिैक ान बिल पास कर दिया। भ्रश्टाचार दूर करने की दुहाई दे रहे हैं इसलिए चौधरी भजन लाल जी ने भी उन अफसरों को चलता करना भारू कर दिया हैं जो भ्रश्टाचार में लिप्त हैं। बड़ी अच्छी बात की हैं।

Chairity begins at home. स्पीकर साहब, यह अच्छा होंता कि ये अपने आप से भ्रारू करते। पहले यह अपने नीचे से झाड़ फेरना भ्रारू करें। जो आप को बुरा लगता हैं या जो आपकी निगाह में ठीक नहीं हैं उसे बदलें। आज के दिन नया माहौल हैं, नया वातावरण हैं, नई आबोहवा हैं इसलिए आपको नयी बात करनी चाहिए और इस मामले में पहल करनी चाहिए। स्पीकर साहब चीफ मिनिस्टर और भी बातें बहुत करते हैं कि हमने इतने वोटों से हरा दिया और इतने वोटों से जीत गये। अगर भ्रश्टाचार को भी दूर कर दें तो बड़ा अच्छा होगा।

मुख्य मंत्री चौधरी (भजन लाल): माननीय बहिन चन्द्रावती जी ने यह कहा कि तीन साल से ड्रामा कर रखा हैं। अध्यक्ष महोदय आप जानते हैं और मुझे भी कुछ मैम्बरान ने बताया कि चौधरी देवी लाल जी को कितनी ही बार बुलाया गया हैं कि अपनी बजाहत, अपनी सफाई कमेटी के सामने पे ा करें। लेकिन वे नहीं आये। इसलिए स्पीकर साहब, जब कोई आदमी न आये तो टाईम देना पड़ता हैं। जहां तक डाक्टर साहब और बहिन चन्द्रावती जी की बात का सम्बन्ध हैं, मैं उनकी बात की कदर करता हूं जो डाक्टर साहब ने पहले भी कही हैं और अब भी होती हैं। किसी अफसर ने मजबूरी की वजह से छुट्टी ले रखी हैं या किसी के रि तेदार की डैथ होने की वजह से छुट्टी ले रखी हैं तो उसके बारे में यो ही कह देना, कोई मुनासिब बात नहीं हैं। कितने ही लोगों के तबादले होते हैं और कितने ही अफसर छुट्टी

लेकर जाते हैं। हमारे बड़े अच्छे अफसर हैं। किसी अफसर के बारे में बेबुनियाद बात कहना मुनासिब बात नहीं हैं।

स्पीकर साहब दूसरी बात बहिन चन्द्रावती जी ने कही । मैं उनकी बात की भी कदर करता हूं लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं जिसे आप भी महसूस करेंगे और हाउस भी महसूस करेगा। राज्यपाल महोदय का ओहदा कोई मामूली बात नहीं होती। राज्यपाल महोदय की कोई आदमी इनसल्ट करे वह वरदा त के काबिल नहीं हैं। अगर चौधरी देवी लाल जी सदन में आक कर महसूस कर लें कि मुझ से गलती हो गई, भूल हो गई यानी मैं इसके लिए सौरी फिल करता हूं तो उन्हें छोड़ देंगे, मैं सदन को यह वि वास दिलाता हूं।

Shri Mangal Sein: I seek your protection and guidance also, Sir. स्पीकर साहब अगर कोई राज्यपाल महोदय हम से यह कहे कि आप 24 मई को आयें और 23 मई को मुख्य मंत्री को भापथ दिला दें तो हमारे पास क्या रेमिडी हैं सिवाय यह कहने के कि यह आप ने क्यों किया? हमने तो यही कहा था कि आप ने हमें बुलाया था हम आ गये। इसके अलावा और क्या बात हैं? स्पीकर साहब एक अपोजी ान का एम0 एल0 ए0 हैं, उसके लिए तो वन वे ट्रैफिक हैं और रूलिंग पार्टी वाला जो चाहे कर उसे कोई पूछने वाला नहीं हैं।

श्री हरि चन्द्र हुड्डा (किलोई): स्पीकर साहब मैं आपके द्वारा चीफ मिनिस्टर साहब से यह कहूंगा कि कन्डी ान हटाई

जाये। यह जो कन्डी ान लगाई हैं कि चौधरी देवी लाल जी जो महसूस करें यह नहीं लगानी चाहिए। कन्डी ान लगाने पर तो सद्भावना नहीं हैं।

श्रीमति चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री जी ने कहा कि उन्हें यहां हाउस में महसूस करना चाहिए। प्रजातंत्र में एक तरीका होता हैं इसलिए उस तरीके से चौधरी देवी लाल ने अपना रोश जाहिर करने के लिए ऐसा किया था क्योंकि बिना मैजोरिटी के होते हुए भी आपको मुख्य मंत्री की ओथ दिलवाई गई जबकि हम को अगले दिन की तारीख दे रखी थी कि इतवार की भाम को आ जायें परन्तु आपको चुपचाप ओथ दिलवा दी। आप डिफैक्ट किये हुए एम0 एल0 एज0 के सहारे से राजगद्दी पर बैठे हैं और चौधरी देवी लाल जी भी यही कह रहे हैं कि अब तो आपको राज मिल गया। जिन एम0 एल0 एज0 को चौधरी देवी लाल और चौधरी चरण सिंह जी बनावा कर लायें थे उनके सहारे में आपको राज मिल गया। अब तो आपको स्वंय चाहिए कि इस मामले को ड्रोप कर दें। अगर आप अपनी हिम्मत से एम0 एल0 एज0 को लाते तो हमें कोई दुःख न होता भाोर * *

* * *

* * * * *

श्री अध्यक्षः जो कुछ गवर्नर साहब के विशय में कहा जा रहा हैं यह रिकार्ड न किया जाये।

चौधरी भजन लालः गवर्नर साहब के बारे में जो कुछ कहा हैं वह रिकार्ड नहीं होना चाहिए। ऐसा कहना भाोभा नहीं देता।

श्री अध्यक्षः इस विशय में मैंने पहले ही कह दिया हैं।

श्रीमति चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, ये भाब्द अन–पार्लियामेंटरी नहीं हैं। मैं कह सकती हूं। (विघ्न) ....यह काम भाोभा नहीं देता था।

श्री मंगल सैनः चौधरी भजन लाल जी ने मेरी और बहिन चन्द्रावती की ओर संकेत करते हुए कहा कि चौधरी देवी लाल जी यहां हाउस में माफी मांग लें तो हम उन्हें छोड़ देंगे यानी जो बात हमने हाउस में कही है उस पर इन्होंने यह भार्त रखी है। अगर गलती हमारी होगी तो हम हर जगह पर माफी मांगने के लिए तैयार है लेकिन गवर्नर साहब ने हमें बुलाया था। लेकिन उसके बाद जिन लोगों ने उन्हें यह कहा ..... वे तो मंत्री बने बैठे हैं और हम से माफी मंगवा रहे हैं। आप जरा इन्साफ कीजिए। अगर तपासे साहब यहां आ कर माफी मांग ले कि मैंने जो बुलाया था वह गलती की थी, उसके बाद हम भी देख लेंगे कि माफी मांगनी है या नहीं।

श्री अध्यक्षः प्र न हैः–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैन्ट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जाए।

मौखिक रूप से सदस्यों का मत जानने के बाद अध्यक्ष महोदय ने घोशणा की कि हां पक्ष की जीत हुई सि पर विभाजन की मांग की गई। अध्यक्ष महोदय ने उन सदस्यों को जो क्रम ाः हां पक्ष के थे तथा न पक्ष के थे, अपने–अपने स्थानों पर खड़ा होने के लिए कहा तथा उनकी गणना करने पर घोशणा की कि प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः मैं हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाता हूं। मेरे विचार में हाउस इससे सहमत होगा।

आवाजें: ठीक है, बढ़ा दें।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामलों सम्बन्धी प्रिविलेजिज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने के लिए समय बढ़ाना (पुनरारम्भ)

(ii) 24–6–1982 को सदन में राज्यपाल के अभिभाशण के अवसर पर उनके कथित अवचार सम्बन्धी चौधरी देवी लाल एम0एल0ए0 के विरूद्ध

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्र सिंह नैन, एम0ए0एल0, चेयरमैन, प्रिविलेजिज कमेटी, 24 जून, 1982 को चौधरी देवी लाल, एम0एल0ए0 के अलैजड मिस कंडक्ट आन दी ईव आफ गवर्नर्ज एड्रैस टू दी हाउस के इ ू पर कमेटी की सिक्सथ प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रेजैंट करेंगे।

Sh. Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Sixth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Ch. Devi Lal, M.L.A., regarding his alleged mis-conduct on the eve of Governor's Address to the House on the 24th June, 1982.

Sir, I also beg to move:-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिए नैक्स्ट की फर्स्ट सिंटिग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जायें।

श्री अध्यक्षः प्र नप हैं–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिये नैक्स्ट सै ान की फर्स्ट सिंटिग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जाये।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(iii) चौधरी हरद्वारी लाल, उप–कु2लपति, मर्हिश दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक के विरूद्धः

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्र सिंह नैन, एम0 एल0 ए0 चेयरमैन प्रिविलेजिज कमेटी क्वै चन आफ अलैज्ड ब्रीच आफ प्रिविलेज अगेन्स्ट चौधरी हरद्वारी लाल, वाईस चांसलर, महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी, रोहतक फार हिज राइटिंग ए बुकलैट लैजिस्लेचर, जुडीि ायरी, प्रैस एण्ड यूनिवर्सिटीज कास्टिंग एस्प र्न्ज आन दी मैम्बर्ज एण्ड लोअरिंग दी इम्मेज एण्ड प्रैस्टिज आफ दी हाउस एण्ड इट्स मैम्बर्ज के इ ू पर कमेटी की फोर्थ प्रिलिमिनरी रिर्पोट पे ा करेंगे।

Shri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Fourth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Chaudhri Hardwari Lal, Vice-Chancellor, Mahar4shi Dayanand University, Rohtak for his writing a book-let “Legislatyure, Judiciary, Press and Universities” casting aspersions on the Members and lowering the image and prestige of the House and its Members.

Sir, I be ot move-

That the time for the presentation of the final report to the House be extended upto the first sitting of next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिये नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाइम ऐक्सटैंड कर दिया जाये।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं–

कि कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिये नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाइम ऐक्सटैंड कर दिया जाये।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब हाउस, मन्डे, 11 मार्च, 1985 बाद दोपहर 2.00 बजे तक एडजर्न किया जाता हैं।

(13.38 बजे)

(तत्प चात् सदन सोमवार, 11 मार्च, 1985 को बाद दोपहर 2.00 बजे तक के लिये स्थगित हुआ)